राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,27 नवंबर 2022 वर्ष-5,अंक-300 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

ऋचा चड्ढा के बचाव में उतरीं स्वरा भास्कर

मुम्बई। ऋचा चड्ढा का इंडियन आर्मी पर आया बयान आजकल गरमाया हुआ है। ऋचा के इस ट्वीट के लिए उन्हें बुरी तरह से क्रिटिसाइज किया जा रहा है। इसी बीच सोशल मीडिया पर बायकॉट फुकरे 3 ट्रेंड होना शुरू हो गया। ऋचा ने अपने स्टेटमेंट के लिए लोगों से माफी तो मांग ली है, लेकिन यूजर्स उनसे अभी भी खफा हैं। इस विवाद पर एक्ट्रेस स्वारा भास्कर का रिएक्शन सामने आया है। ट्वीटर पर स्वारा ने ऋचा का समर्थन करते हुए लिखा- ' आपके लिए ताकत और बहुत सारा प्यार।' स्वारा के अलावा प्रकाश झा ने भी कल ऋचा का समर्थन किया है।' प्रकाश ने ट्वीट में लिखा- 'हम आपके साथ हैं ऋचा चड्ढा. हम जानते हैं कि आपके कहने का क्या मतलब था।' ऋचा के माफी मांगने के बावजूद सोशल मीडिया पर बॉयकॉट फुकरे ट्रेंड कर रहा है। एक यूजर ने ट्विटर पर लिखा- ह्यफुकरे 3 का इंतजार कर रहा हूं, ताकि फ्लॉप एक्ट्रेस को बायकॉट कर सकूं। एक ऐसी एक्ट्रेस जिन्हें हमारी आर्मी की रिस्पेक्ट करना नहीं आता है। दूसरे यूजर ने लिखा- हमारी इंडियन आर्मी के सामने आप जैसे लोग कुछ भी नहीं है। आप लोग तो पैसों के लिए कुछ कर सकते हैं। अपने ऊपर शर्म करें।ह्ल तीसरे यूजर ने लिखा- ह्यबायकॉट का सिलसिला चालू रहेगा, अगला नंबर फुकरे 3 का।

दूसरे दिन भी हुई पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की संपत्तियों की जांच

अमेठी। उत्तर प्रदेश शासन सतर्कता अधिष्ठान सूचना सेक्टर लखनऊ एसपी के पत्र पर जिलाधिकारी की ओर से गठित टीम ने दूसरे दिन भी पूर्व खनन मंत्री की संपत्तियों की जांच की। आवास विकास कॉलोनी स्थित पूर्व मंत्री और उनके बेटों के नाम दर्ज पांच मकानों की टीम ने नाप जोख की। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान अधिसूचना सेक्टर लखनऊ एसपी के पत्र पर पूर्व कैबिनेट मंत्री व आजीवन कारावास की सजा काट रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति और उनके दोनों बेटों के संपत्तियों की जांच चल रही है। गठित टीम गायत्री प्रजापति एवं उनके पुत्र अनिल प्रजापति और अनुराग प्रजापति द्वारा विभिन्न स्थानों पर आवासीय भवनों का निर्माण व क्रय किए जाने आदि की जांच कर रही है। डीएम की ओर से गठित टीम ने शनिवार को दूसरे दिन भी आवास विकास कॉलोनी व परसावां गांव पहुंचकर आवासीय मकानों आदि की जांच की।

मेरठ की शुगर मिल में लगी भीषण आग

टरबाइन फटने से चीफ इंजीनियर की मौत, 7 कर्मचारी झुलसे, सीएम ने दिए जांच के आदेश

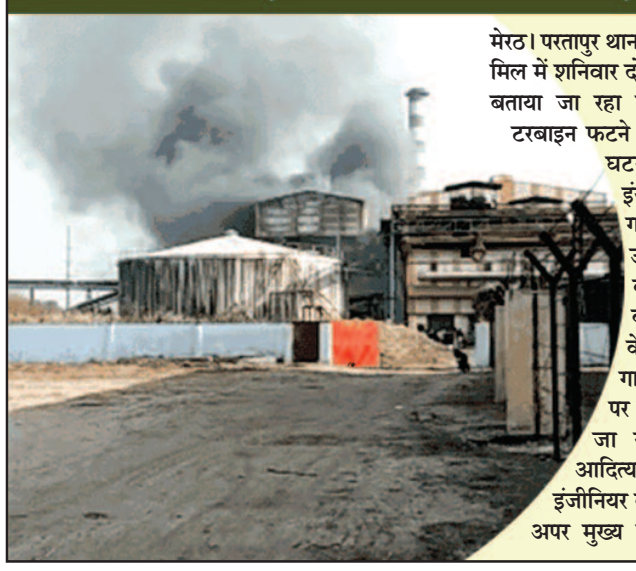

मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर शुगर मिल में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि मिल में अचानक टरबाइन फटने से ये हादसा हुआ है। इस घटना में मिल के चीफ इंजीनियर बुरी तरह झुलस गए। उनकी मौत हो गई। उनके अलावा 7 अन्य कर्मचारियों के भी झुलसने की खबर है। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना में चीफ इंजीनियर की मौत पर दुख जताया है। अपर मुख्य सचिव चीनी को तत्काल घटना स्थल पर जाकर आग लगने के कारणों की जांच के निर्देश दिए है। मोहिउद्दीनपुर शुगर मिल में शनिवार दोपहर 3 बजे के करीब 40 कर्मचारी काम कर रहे थे। तभी अचानक मिल के अंदर से काला धुआं उठने लगा। धुआं उठता देख आसपास के लोग और मिल के बाकी कर्मचारी उसी ओर दौड़ने लगे। थोड़ी देर पता चला कि मिल के अंदर आग लगी है। धुआं वहीं से उठ रहा है। घटना के समय चीफ इंजीनियर नरेंद्र कुमार कुशवाहा अंदर ही मौजूद थे। उनके साथ 7 अन्य कर्मचारी भी आग से घिर गए। वे बुरी तरह से झुलस गए। नरेंद्र को खुद को बचाने के लिए तीसरी मंजिल की तरफ भागे। उन्होंने जान बचाने के लिए तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने से उनकी मौत हो गई। मिल के अंदर बने केमिकल गोदाम में रुक-रुक के ड्रम फट रहे

हैं। इस कारण फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल मेरठ में आग लगने के कारण एक अधिकारी की हुई मौत दुख जताया है। उन्होंने मृतक के परिजनों के प्रति शोक व्यक्त किया है। साथ ही अपर मुख्य सचिव चीनी को तत्काल घटना स्थल पर जाकर आग लगने के कारणों की जांच के निर्देश दिए है। शुगर मिल के जीएम श्रीपाल सिंह ने बताया कि चलते-चलते अचानक टरबाइन ट्रिप हो गई थी। जिसके चलते आग लगने की घटना हुई है। वहीं मौके पर पहुंचे अग्निशमन अधिकारी आरके सिंह का कहना है कि फायर ब्रिगेड को करीब 3:15 बजे मिल में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के कुछ देर बाद ही टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल टरबाइन फटने के कारण आग लगना बताया जा रहा है। आग बुझने के बाद ही पता चलेगा कि आग लगने का मुख्य कारण क्या था।

शिवपाल यादव ने बहु डिंपल के लिए मांगे वोट

कहा- अखिलेश ने हमारा सहयोग लिया तो आज मुख्यमंत्री होते

मैनपुरी। प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने मैनपुरी में शनिवार को नुक्कड़ सभाएं कीं। उन्होंने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में अखिलेश ने हमारा सहयोग लिया होता तो आज वह मुख्यमंत्री होते। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में धोखा हो गया, भाजपा ने हमारा फायदा उठाया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने हमारा फायदा उठाया। उन्होंने कहा कि इस बार हम सभी को डिंपल यादव को जिताना है। शिवपाल सिंह शनिवार को बरनाहल क्षेत्र के गांव विनायकपुर में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता अपना क्षेत्र बांटकर वोट मांगें। मतदान के दिन सुबह सात बजे ही पोलिंग पर लाइन लगा दें। सपा के पास इतना वोट है कि सभी लोग डाल दें तो विरोधी की जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है। न्याय पालिका दबाव में काम करने लगी है। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं की गाड़ियां चेक की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। मैनपुरी का विकास नेताजी ने ही कराया है। नेताजी की कर्मभूमि में जितना विकास सपा ने कराया है उसका एक चौथाई भी भाजपा नहीं करा सकी है। नेताजी ने हमेशा जाति और मजहब से उठकर काम किया। पूर्व एमएलसी सुभाष यादव, डॉ, रामकुमार यादव, पूर्व विधायक अनिल यादव, रघुराज यादव, राहुल यादव, सर्वेश यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आरएस यादव, ब्लॉक प्रमुख नीरज यादव मौजूद रहे। प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के समर्थन में करहल क्षेत्र के गांव नाकऊ में नुक्कड़ सभा की।

उन्होंने कहा कि हमारी एकता में कमी का विरोधी फायदा उठाने की लगातार कोशिश करते रहे हैं। अब ऐसा नहीं है, हम सब एक हैं। पूर्व एमएलसी अरविंद प्रताप यादव, पूर्व विधायक अनिल यादव, राहुल यादव, रामनरेश प्रधान, रविंद्र प्रधान, जिलाध्यक्ष वोट सिंह यादव मौजूद रहे।

पीएम मोदी बोले: भारत लोकतंत्र की जननी, युवा संविधान को समझें, यह आज की अहम जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ई-कोर्ट परियोजना के तहत विभिन्न नई पहलों का शुभारंभ किया। इसके तहत वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, जस्टिस मोबाइल एप 2.0, डिजिटल कोर्ट और एस3डब्ल्यूएएएस वेबसाइट शुरू की गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज 26/11 मुंबई आतंकी हमले का दिन भी है। 14 साल पहले भारत जब अपने संविधान का पर्व मना रहा था, उसी दिन मानवता के दुश्मनों ने भारत पर सबसे बड़ा आतंकी हमला किया था। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, भारत की मजूबत होती अंतरराष्ट्रीय छवि के बीच दुनिया हमें उम्मीद की नजरों से देख रही है। यह देश जिसके बारे में कहा जाता था कि वह बिखर जाएगा। आज यह देश पूरे सामर्थ्य से आगे बढ़ रहा है। इन सबके पीछे हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान है। हमारे संविधान की प्रस्तावना की शुरूआत में जो 'वी द पीपुल' लिखा है, यह शब्द नहीं एक भावना है, एक प्रतिज्ञा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के संविधान ने देश की सभी सांस्कृतिक और नैतिक भावना को समाहित किया है। मुझे संतोष है कि आज देश मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में अपने आदर्शों और संविधान की भावना को मजबूत कर रहा है। देश की माताएं-बहनों का सशक्तीकरण हो रहा है। सामान्य मानवी के लिए आज कानूनों को सरल बनाया जा रहा है।

गमार्या 11 लाख कॉम्बैट डिजिटल प्रिंटेड वर्दी का मामला

इस शर्त ने रेस से बाहर किए आयुध कारखाने

नई दिल्ली। भारतीय सेना के लिए 11 लाख 'कॉम्बैट डिजिटल प्रिंटेड वर्दी' तैयार करने का मामला एक बार दोबारा से चर्चा में आ गया है। पिछले माह सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए टेंडर पर अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ 'एआईडीईएफ' के महासचिव सी. श्रीकुमार ने यह कहते हुए सवाल उठाया था कि ये टीसीएल के तहत चार आयुध कारखानों को काम न देने की साजिश है। इसमें जो शर्तें रखी गई हैं, वे किसी निजी फर्म को फायदा पहुंचाने वाली हैं। एआईडीईएफ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराया था। बाद में ये टेंडर वापस हो गया था। अब सेना मुख्यालय द्वारा 21 नवंबर को समान प्रतिबंधात्मक शर्तों के साथ टेंडर दोबारा से जारी कर दिया गया है। श्रीकुमार का कहना है कि टीसीएल के तहत चार आयुध कारखानों में सभी प्रकार के ट्रूप कंफर्ट आइटम निर्माण की सभी आधुनिक सुविधाएं एवं उपकरण मौजूद हैं। अब एआईडीईएफ महासचिव द्वारा 23 नंवबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक अन्य पत्र लिखकर चार आयुध कारखानों को बंद होने से बचाने की अपील की गई है। एआईडीईएफ महासचिव का कहना है, केंद्र सरकार आयुध कारखानों को बंद करने की साजिश रच रही है। वर्ष 2023-2024 के लिए जब टीसीएल कॉर्पोरेशन के तहत चार आयुध कारखानों के पास कोई काम नहीं होगा, तो वे बंद होने की कगार पर पहुंच जाएंगे। यह आयुध कारखानों के खिलाफ एक बड़ी साजिश है। इन कारखानों के पास तमाम संयंत्र, मशीनरी और जनशक्ति उपलब्ध है। इसके बावजूद डीडीपी/एमओडी/सेना मुख्यालय/एमजीओ द्वारा इस दिशा में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जा रहा। सेना मुख्यालय ने छह अक्तूबर को 11,70,159 'कॉम्बैट यूनिफॉर्म डिजिटल प्रिंट' की खरीद के लिए जैकेट, ट्राउजर और कैप फॉर मेल (द3) के सेट के रूप में एक प्रतिबंधात्मक टेंडर जारी किया था। उस प्रतिबंधात्मक टेंडर में ऐसी शर्तें रखी गई थी, जिसका सीधा फायदा प्राइवेट वेंडर को होना था। फेडरेशन ने सात अक्तूबर को एक पत्र के माध्यम से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से प्रतिबंधात्मक निविदा को रद्द करने की अपील की थी। साथ ही नए डिजाइन वाली आर्मी यूनिफॉर्म का टेंडर, टीसीएल ग्रुप ऑफ फैक्ट्रीज को देने की गुहार लगाई थी। उसके बाद वह टेंडर रद्द हो गया था। टीसीएल ग्रुप ऑफ फैक्ट्रीज के लगभग 6000 कर्मचारी खुश थे और वे उम्मीद कर रहे थे कि अब 11,70,159 'कॉम्बैट यूनिफॉर्म डिजिटल प्रिंट' के तहत जैकेट, ट्राउजर और कैप फॉर मेल (द3) का सेट तैयार करने का काम उन्हें मिल जाएगा। अब 21 नवंबर के टेंडर ने इन कर्मियों को बड़ा झटका दे दिया है। केंद्र सरकार ने रक्षा कर्मचारी संघों के साथ पिछले आश्वासनों और समझौतों का उल्लंघन किया है। पहले तो जून 2021 में आयुध निमार्णी बोर्ड के 220 साल पुराने संगठन के तहत संचालित हो रहे 41 आयुध कारखानों को सात गैर-व्यवहार्य निगमों में विभाजित करने का निर्णय लिया गया था। उस समय केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया था कि नए निगमों पर सौ फीसदी सरकार का स्वामित्व होगा। अब सरकार अपने वादे से दूर जा रही है। अब सरकार, आयुध कारखानों को काम देने से बच रही है। सेना के लिए जरूरी उपकरण तैयार करने वाले कर्मचारियों को 'वंचित और उपेक्षित' होने का अहसास कराया जा रहा है। टीसीएल के तहत आने वाली आयुध निर्माणियों में से एक 'ओसीएफ' अवादी, वास्तविक उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के अनुसार लड़ाकू वर्दी तैयार करने में अग्रणी है।

तीसरा बड़ा सर्वेक्षण पोत इक्षक किया गया लॉन्च, समुद्र में बढ़ेगी नौसेना की ताकत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की ताकत में और इजाफा हुआ है। दरअसल, आज चेन्नई के कट्टुपल्ली में दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लाइंग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल एमए हम्पीहोली की उपस्थिति में सर्वे वेसल्स 'इक्षक' को लॉन्च किया गया। भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार बड़े सर्वेक्षण पोत के प्रोजेक्ट के तीसरे पोत 'इक्षक' की लॉन्चिंग मील का एक पत्थर साबित होगी। सर्वे वेसल्स 'इक्षक' के नौसेना में शामिल होने के बाद समुद्री सुरक्षा की निगरानी में काफी मदद मिलेगी। साथ ही नौसेना की ताकत बढ़ाने वाला यह जहाज रक्षा तैयारियों को और मजबूती प्रदान करेगा। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित यह जहाज मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप बनाया गया है। 'इक्षक' नाम का यह पोत सर्वे वेसल लार्ज परियोजना के तहत बनाए जा रहे चार जहाजों की श्रृंखला में तीसरा है। इसे भारतीय शिपबिल्डर गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और एल एंड टी ने मिलकर बनाया है। गौरतलब है कि इस श्रंखला का पहला बड़ा सर्वे पोत संध्याक था।

महिलाओं पर टिप्पणी कर विवादों में घिरे बाबा रामदेव

नई दिल्ली। योग गुरु स्वामी रामदेव एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। दरअसल, पुणे में आयोजित एक योग शिविर के दौरान उन्होंने कहा कि महिलाएं साड़ी, सलवार और सूट में भी अच्छी लगती हैं, मेरी तरह कुछ ना भी पहने तो भी अच्छी लगती हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि रामदेव जब यह बात कह रहे थे, तब राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पत्नी अमृता संग वहां मंच पर मौजूद थे। अब रामदेव का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल ने भी इस बयान की निंदा की है। उन्होंने वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर साझा करते हुए कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की पत्नी के सामने स्वामी रामदेव द्वारा की गई टिप्पणी अमर्यादित और निंदनीय है। इस बयान से सभी महिलाएं आहत हुई हैं, बाबा रामदेव को इस बयान पर देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। वायरल वीडियो में बाबा रामदेव कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, बहुत बदनसीब हैं आप। सामने के लोगों को साड़ी पहनने का मौका मिल गया, पीछे वालों को मिला ही नहीं। आप साड़ी पहन के भी अच्छी लगती हैं, सलवार सूट में भी अमृता की तरह अच्छी लगती हैं और मेरी तरह कोई ना भी पहने तो भी अच्छी लगती हैं। अब तो लोग लोक लज्जा के लिए पहन लेते हैं। बच्चों को कौन कपड़े पहनाता है पहले। हम तो आठ दस सालों तक तो ऐसे ही नंगे घूमते रहते थे। ये तो अब जाकर पांच-लेयर बच्चों के कपड़ों पर आई है। रामदेव के बयान पर अब सियासत भी तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना नेता संजय राउत ने पूछा, अमृता फडणवीस ने टिप्पणियों का विरोध क्यों नहीं किया? मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, जब राज्यपाल शिवाजी पर अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री महाराष्ट्र के गांवों को अपनी राज्य की सीमा में मिलाने की धमकी देते हैं।

बेटे ने मां को पटक-पटककर पीटा, बाल पकड़कर घसीटा

महाराजगंज। उत्तरप्रदेश में महराजगंज जिले के नौतनवां कस्बे में एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां के साथ मारपीट की। उनके बाल खींचे। घसीटते हुए सड़क पर गिराकर लात घूसों से मारा। बेटे की करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल महिला की तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मां का कसूर बस इतना था कि उसने बेटे से पैसों का हिसाब मांग लिया था। इसी बात पर आरोपी बेटा गुस्सा हो गया और बेरहमी से अपनी मां को पीट दिया। मामला 23 नवंबर का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, महिला कमला देवी ने अपना खेत बंटाई पर दे रखा है। फसल तैयार होने पर बंटाईदार उसके हिस्से का पैसे देने घर आया, लेकिन वह नहीं मिली। इस पर उसने कमला देवी के बेटे को यह कहकर पैसे दे दिए कि मां के आने पर रुपए उन्हें दे देना। पीड़ित मां का आरोप है कि जब उसे जानकारी हुई कि खेत का बंटाईदार पैसा उनके बेटे को दे गया है, तो वह मांगने लगीं। इस बात से बेटा नाराज हो गया और मारपीट करने लगा। मारपीट का पूरा वीडियो पास में लगे उउळश कैमरे में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया है। बता

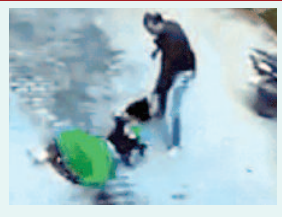

दें, आरोपी बेटे की सोने-चांदी की दुकान है। वहीं महिला कमला अपने खेत को बंटाई पर देकर खर्चा चलाती है। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि बेटा अपनी मां के बाल खींचकर घर से बाहर लाता है फिर उसे बुरी तरह पीटने लगता है। इस दौरान कुछ लोग बीच-बचाव करने भी आते हैं, लेकिन आरोपी उनके साथ भी मारपीट करने लगता है। महिला के संभलने पर वह फिर से घसीटकर सड़क पर फेंक देता है। बेटे की ऐसी हरकत देखकर आस-पास के लोग मौके पर आ जाते हैं। बगल की दुकान में बैठा युवक बुजुर्ग महिला को बचाने आता है तो वो उसको भी मारने लगता है। इसी बीच मां घर के अंदर जाने की कोशिश करती है तो बेटा फिर से उसको घसीटकर गिरा देता है। बहुत मुश्किल से लोग महिला को बचाकर दुकान में बैठाते हैं। उसके बाद इलाज के लिए ले जाते हैं। मामले में सीओ नौतनवां अनुज सिंह ने बताया कि पीड़िता कमला देवी की तहरीर पर बेटे रितेश वर्मा के खिलाफ क्हउ की धारा 323, 504 और 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। अभी आरोपी बेटा लापता है। हम उसकी तलाश कर रहे हैं। मामले में पड़ोसी का कहना है कि रितेश बहुत ही झगड़ालू किस्म का है। वो अपनी मां को घर पर नहीं रखना चाहता है। आए दिन वो ऐसे ही उनको प्रताड़ित करता है। उसकी खुद की सोने-चांदी की दुकान है। उसके बाद भी मां के पैसों पर नजर गड़ाए रहता है। कई बार बुजुर्ग महिला कमला देवी बेटे से पैसे बचाने के लिए दूसरों के पास रखवा देती है। उसकी मां खेती के पैसों से ही अपना गुजारा कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाक सेना के नए मुखिया

बाजवा के बाद सबसे वरिष्ठ सेना अधिकारी की सेना प्रमुख के रूप में नियुक्ति को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिये एक झटके के रूप में देखा जा रहा है। जो इमरान के समय से पहले चुनाव कराने के लिये चलाये जा रहे आंदोलन के मार्ग में एक बाधा बन सकते हैं। आसिम मुनीर के पाक की कुख्यात गुप्तचर संस्था इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई के मुखिया रहने के दौरान ही वर्ष 2019 में पुलवामा हमला हुआ था।

बाजवा रुखसत मगर सियासत पर सेना का साया बरकरार/ अतीत के अनुभवों को देखते हुए कहना कठिन है कि पाक सेना के नये प्रमुख बनने से भारत के साथ रिश्तों में कोई खास बदलाव होगा। लेकिन पाक राजनीतिक टकराव की ओर अग्रसर जरूर हो जायेगा। दरअसल, जनरल बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति को देश में छाये राजनीतिक संकट के घटक के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व आईएसआई प्रमुख आसिम मुनीर को सेना प्रमुख तथा साहिर शमशाद मिर्जा को ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष नामित किया था। पूर्व में इमरान खान सरकार के दौरान राष्ट्रपति बने आरिफ अल्वी ने दोनों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इमरान की पार्टी के सदस्य रहने के बाद राष्ट्रपति बनने के चलते कयास लगाये जा रहे थे कि वे इन नियुक्तियों को कुछ समय के लिये टाल सकते हैं। बाजवा के बाद सबसे वरिष्ठ सेना अधिकारी की सेना प्रमुख के रूप में नियुक्ति को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिये एक झटके के रूप में देखा जा रहा है। जो इमरान के समय से पहले चुनाव कराने के लिये चलाये जा रहे आंदोलन के मार्ग में एक बाधा बन सकते हैं। आसिम मुनीर के पाक की कुख्यात गुप्तचर संस्था इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस यानी आईएसआई के मुखिया रहने के दौरान ही वर्ष 2019 में पुलवामा हमला हुआ था। जिसके उपरांत दोनों देशों में तनाव चरम पर पहुंच गया था। तब उन्हें इमरान खान के आदेश पर पद से हटा दिया गया था। इस शीर्ष खुफिया एजेंसी के मुख्य अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल सबसे छोटा यानी सिर्फ आठ माह का रहा था। बाद में आसिम मुनीर द्वारा इमरान की पत्नी के कदाचार के मामले उजागर करने की चर्चा भी रही थी। कुल मिलाकर इमरान खान व आसिम मुनीर के रिश्ते तल्खी भरे रहे हैं। कयास लगाये जा रहे हैं कि इमरान की आगे की राह मुश्किल होने वाली है। विगत में इमरान पर हुए हमले की साजिश रचने का आरोप वे सेना पर लगा चुके हैं। दूसरी ओर पाक के सेना प्रमुख के रूप में अपने अंतिम संबोधन में कमर जावेद बाजवा ने जो कुछ कहा, उसे दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है। उन्हें पाकिस्तानी लोकतंत्र में हद दर्जे की दखल रखने वाली सेना की कारगुजरियों की सफाई देनी पड़ी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बाजवा के कार्यकाल में सेना लगातार घरेलू राजनीति और विदेश नीति में बड़ी दखल करती रही है। जिसको लेकर देश-विदेश में खासी आलोचना हुई है। यहां तक कि गत अप्रैल में इमरान सरकार को गिराने के आरोप भी सेना पर लगे। इमरान खान खुलकर ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। बहरहाल, निवर्तमान जनरल ने स्वीकार किया कि सेना दशकों से पाकिस्तान की राजनीति में अवैध रूप से दखल देती रही है। साथ ही कहा कि सेना अब ऐसा नहीं करेगी। सवाल ये उठता है कि बासठ वर्ष की उम्र में सेवा में विस्तार का सुख भोगने के बाद वे ये बातें अब क्यों कह रहे हैं। वे कैसे आश्वासन दे सकते हैं कि भविष्य में सेना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करेगी। लेकिन वहीं दूसरी ओर राजनीतिक दलों को उन्होंने चेतावनी भी दी है कि वे सेना के धैर्य की सीमा की परीक्षा न लें। यह भी कि तमाम बदलावों के बीच सेना देश में स्थायित्व के लिये प्रयासरत रहती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह कि बाजवा को इस मौके पर 1971 में भारत के हाथों मिली करारी शिकस्त याद आ गई। उन्होंने अपनी विदाई के मौके पर 1971 के युद्ध के इतिहास को फिर से लिखने की कुत्सित कोशिश कर डाली। इस तरह वे पाकिस्तान सेना द्वारा बांग्लादेश में किये नरसंहार और सेना की करारी शिकस्त को नकारने का मूर्खतापूर्ण प्रयास करते नजर आये। उन्होंने बांग्लादेश में सेना के आत्मसमर्पण को सेना की हार के बजाय राजनीतिक नेतृत्व की विफलता बताया। इस युद्ध में अनुमानित 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को भारतीय सेना ने युद्धबंदी बनाया था।

सूक्ति

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है। - रामप्रताप

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह माँ है। - हर्ष मोहन

लॉफिंग ज़ोन

मालिक (मजदूर से) 'बाकी सारे मजदूर दो-दो बोरियां उठा कर ले जा रहे हैं और तुम एक ही क्यों ले जा रहे हों?'

मजदूर : हुजूर, ये सब के सब आलसी हैं। मेरी तरह दो चक्कर लगाने से बच रहे हैं।

□ □ □

टीचर (किताब खोलते हुए): प्रवीण बताओ मैं कल कहा पढ़ा रहा था?

प्रवीण: सर भूल भी गए। इसी कक्षा में तो पढ़ा रहे थे आप।

□ □ □

हार्मोनियम हाउस के कर्मचारी ने मिस बेसुरी के घर की घंटी बजाई दरवाजा खुलने पर बोला 'मैडम आपका हार्मोनियम ठीक करने आया हूं।'

'मगर मैंने तो आप को नहीं बुलाया।'

'जी हां, आपने नहीं आपके पड़ोसियों ने बुलाया है।'

□ □ □

रिंकू ने चिड़चिड़ाते लहजे में टिंकू से कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो। मेरे दिमाग में आग लगी है।'

टिंकू, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि किसी चीज के जलने की बदबू कहां से आ रही हैं।'

आतंकवाद को मुहैया धन रोकने में चुनौतियां

मोदी सरकार जहां घरेलू मोर्चे पर अपनी आतंकरोधी नीति जारी रखे हुए है, वहीं कूटनीतिक उपायों में संयुक्त राष्ट्र का समर्थन प्राप्त बृहद अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद समागम (सीसीटीआई) बुलाने का आह्वान किया है। कोई हैरानी नहीं कि नई दिल्ली सत्र में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कड़े शब्दों में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले मुल्क (यानी पाकिस्तान) और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा लाने वालों (यानी चीन) की निंदा की है।

मनोज जोशी

पिछले सप्ताहंत भारत ने 'आंतक के लिए कोई धन नहीं' (नो मनी फॉर टैरर यानी एनएमएफटी) नामक मंत्री स्तरीय आतंकरोधी धन-निषेध मंच के तृतीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसका पहला अधिवेशन 2018 में पेरिस में हुआ था और दूसरा 2019 में मेलबोर्न में। अगली बैठक 2020 में भारत में रखी गई थी लेकिन कोविड महामारी की वजह से नहीं हो पाई। यह आयोजन 100 से अधिक मुल्कों की आर्थिक-खुफिया इकाइयों के सहयोग से हुआ। इसको 'एग्नोमेंट ग्रुप' भी पुकारा जाता है। भारत ने दो बहुत बड़े आतंकवादी हमले झेले हैं। पहला, 1985 में आयरिश समुद्र के ऊपर उड़ते एयर इंडिया विमान में विस्फोट और 1990 के दशक में पंजाब और कश्मीर में अनेक शहरों में हुए आतंकी वारदातें, नरसंहार। दूसरा, 2008 में मुंबई में हुआ आत्मघाती हमला। हालांकि फिलहाल खतरा कम हुआ लगता है। मोदी सरकार जहां घरेलू मोर्चे पर अपनी आतंकरोधी नीति जारी रखे हुए है, वहीं कूटनीतिक उपायों में संयुक्त राष्ट्र का समर्थन प्राप्त बृहद अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद समागम (सीसीटीआई) बुलाने का आह्वान किया है। कोई हैरानी नहीं कि नई दिल्ली सत्र में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने कड़े शब्दों में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले मुल्क (यानी पाकिस्तान) और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा लाने वालों (यानी चीन) की निंदा की है। सालों से आतंकवाद का गहरा दंश झेल रहे एक मुल्क के तौर पर भारत इस चुनौती का सामना करने हेतु वैश्विक बिरादरी को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत ने उन सभी देशों के खिलाफ संयुक्त प्रयास का आह्वान किया है जो आतंकवाद को बढ़ावा और धन मुहैया करवाते हैं। इस समागम से पहले, अक्तूबर माह में नयी दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र विशेष परिषद समिति की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आतंकवादी खतरा अब तौर-तरीके बदलकर, नये रंगरूटों की भरती करने और भड़काने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के अलावा ड्रोन, वीपीएन एड्रैस, मैसेज एन्क्रिप्शन स्क्रिप्ट, ब्लॉक-चेन और डिजिटल करंसी का उपयोग करने लगा है। वर्ष 2018 में प्रथम एनएमएफटी सम्मेलन हुआ था, तब अमेरिका से पाकिस्तान की अनबन के चलते अमेरिकियों ने उसको वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की सूची में डलवा दिया। यह कार्यबल आतंकी गतिविधियों को चलाने, काला धन मुहैया करवाने वालों की निगरानी करने के अलावा सामूहिक नरसंहार हथियार बनाने वालों या उनका पोषण करने वालों पर भी कार्रवाई करता है। पाकिस्तान को पहले भी, 2008-09 में इस सूची में रखा जा चुका है, वर्ष 2012-15 के बीच कड़ी निगरानी के तहत रहा। फिलहाल 'ग्रे सूची' में होने की वजह से पाकिस्तान के लिए आईएमएफ, विश्व बैंक और एडीबी जैसे वित्तीय संस्थानों से ऋण लेना मुश्किल बना हुआ है। अतएव पाकिस्तानी सरकार को मजबूरन आतंकवादियों और उनके संगठनों पर कार्रवाई करनी पड़ रही है। इस सिलसिले में लश्कर-ए-तैयबा सरगना हफीज़ सईद और मुंबई हमले के मुख्य सूत्रधार साज़िद मीर के खिलाफ कानूनी कदम उठाने पड़े। अप्रैल माह में हफीज़ को आतंक फैलाने और इसके लिए धन मुहैया करवाने के दोष में 68 साल की कैद की सजा दी गई है और लखवी को 20 साल की। साज़िद मीर के खिलाफ हुई कार्रवाई होना चौंकाता है, क्योंकि इस साल के शुरू तक पाकिस्तान यह दावा करता रहा कि मीर, जो कि मुंबई हमले का मुख्य सूत्रधार और शायद आईएसआई अफसर है, मर चुका है। अचानक जून के महीने में उसकी गिरफ्तारी दिखाकर 15 साल की जेल सुनाई गई। हालांकि, पाकिस्तान अभी भी दावा कर रहा है कि वह जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अज़हर का सुराग नहीं पा सका। जून, 2022 में एफएटीएफ ने तीन-दिवसीय मौका-मुआयना किया और पाकिस्तान को क्लीन चिट दे डाली। एफएटीएफ के समक्ष रखे गए प्रक्रिया संबंधी दस्तावेज गुप्त हैं। परंतु इसमें शक कम है कि पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ दोस्ताना पुनः बना लिया है। शायद यह बदलाव अफगानिस्तान में छिपे अल कायदा सरगना अयमन अल-जवाहिरी को ड्रोन हमले में मार गिराने में किए गए पाकिस्तानी सहयोग की एवज में आया हो। लेकिन भारत अभी भी तसल्लीबख्श स्थिति में होने से काफी दूर है। साउथ एशिया टेरेरिस्म पोर्टल (एसएटीपी) में अजय साहनी कहते हैं कि हालांकि फिलहाल यह कहना अतिशयी होगा कि खालिस्तानी आतंकवाद का पुनर्जागरण हो चुका है। इतना साफ है कि आपराधिक गुटों और खालिस्तानी तत्वों के बीच आपसी तालमेल में बढ़ोतरी हुई है। सीमापार से ड्रोन के जरिये पंजाब में नशा-हथियारों की खेप पहुंचाने में आईएसआई भी सक्रिय है। इस साल के पहले नौ महीनों में सुरक्षा बलों ने 171 ड्रोन फ्लाइट्स होने की पहचान की है और ऐसी भी होंगी जो पकड़ में नहीं आ सकी। पाकिस्तान हर वह काम कर रहा है जो लंबे समय से करता आया है। कश्मीर में, पाकिस्तानी एजेंसियां 'द रिजेस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नामक संगठन के जरिये काम कर रही हैं, जिसने हालात उबाल में बनाए रखने के उद्देश्य से काफी असरअंदाज़ हमलों को अंजाम दिया है। मोदी-शाह के रवैये की समस्या यह है कि आतंकवाद से निपटने के लिए 'सबका एक ही उपाय' नीति चलाए हुए हैं, जिसमें घरेलू पृथकतावादी एवं सशस्त्र विद्रोहियों और पाकिस्तान द्वारा भेजे गए छद्म योद्धा एवं आतंकवादियों के बीच के फर्क को ध्यान में नहीं रखा जा रहा है। तिस पर यह नीति चुनींदा है यानी अक्सर चुनावी फायदे से जुड़ी है, तब भाजपा पाकिस्तानी गतिविधियों को बड़ा मुद्दा बनाकर भुनाती है। वर्ना तो मुंहबाए खड़ी चुनौतियों को नज़रअंदाज किया जाता है। ड्रोन उड़ानों का विषय एफएटीएफ प्रक्रिया में क्यों शामिल नहीं किया गया, यहां तक कि एनएमएफटी मंच पर भी नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। भारत को पूरा हक है कि वह अपनी सार्वभौमिकता के सरासर उल्लंघन पर सैन्य अथवा अन्य तरीकों से प्रतिक्रिया करे। लेकिन फिलहाल, सरकार कुछ करती दिखाई नहीं देती। एक बड़ा सबक जिसको नज़रअंदाज किया गया है, यह कि, जो रणनीति केवल बल प्रयोग पर टिकी हो, वह कारगर नहीं होती। यह इस्राइल का नहीं, बल्कि हमारे निजी अनुभवों का निचोड़ है। जबकि ऐसी नीति की जरूरत है, जिसमें सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ राजनीतिक प्रक्रिया, वार्ता, समझौतापरक रुख का सम्मिश्रण हो। लेकिन समस्या यह है कि सरकार की रणनीति देश में समतामूलक नहीं है। बेशक मोदी ने अपने भाषण में घरेलू कट्टरवाद को लेकर चेताया है परंतु सरकार ने जब विगत में मुस्लिमों पर हुए अवांछित हमलों के वक्त मुंह परे फेरे रखा तो यह अहसास क्यों नहीं हुआ कि इससे प्रतिक्रियात्मक इस्लामिक आतंकवाद का और एक चरण शुरू हो सकता है। हालांकि, 2008 के बाद ऐसी घटनाओं में काफी कमी आई है, पर दक्षिण भारत में पिछले समय में परेशान करने वाली कुछ घटनाएं हुई हैं, जो भावी घटनाक्रम का चेतावनी संकेतक है।

लेखक ऑब्ज़र्वर फॉर रिसर्च फाउंडेशन में विशिष्ट सदस्य हैं।

लंबे इंतजार के बाद खूब चमका सूरज

अरुण नैथानी

देश की क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं से सवाल पूछा जाना चाहिए। सवाल यह कि जो सूर्य कुमार यादव कुछ ही समय में अपने आतिशी खेल के बूते विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर खड़ा है, उसे टीम में जगह पाने के लिये ग्यारह साल क्यों इंतजार करना पड़ा? बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी की पुरुष टी-20 बल्लेबाजी की रैंकिंग में सूर्य कुमार यादव ने अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखा है। आज क्रिकेट के एक्सपर्ट से लेकर प्रशंसक तक सूर्य के खेल पर कसीदे पढ़ रहे हैं। क्रिकेट के दिग्गज कमेंटेटर हर्षा भोगले जब कहते हैं कि 'मुझे सांस लेने की मशीन चाहिए, सूर्य कुमार यादव हमारी सांस रोक रहा है', तो सूर्य के खेल के स्तर का अहसास होता है। टी-20 के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज सूर्य ने पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर दी है,जिससे क्रिकेट के दिग्गजों की आंखें चौंधा रही हैं। हाल में न्यूजीलैंड में संपन्न टी-20 सीरीज में सूर्य के बल्ले ने जो आग उगली, उसकी तपिश को कीवी बर्दाश्त नहीं कर पाये। उसके खेल की कल्पना कीजिये उसने टी-20 मैच में आतिशी शतकीय पारी भी खेली। यह तथ्य क्रिकेट चयनकर्ताओं पर सवालिया निशान लगाता है कि 15 दिसंबर 2010 से प्रथम श्रेणी के क्रिकेट की शुरुआत करने वाले सूर्य को 2021 में देश के लिये खेलने का अवसर मिला। आखिर क्यों सूर्य कुमार को 11 साल का इंतजार करना पड़ा? वह घरेलु क्रिकेट में लगातार उम्दा खेल रहा था। अहसास तो सूर्य को भी था कि सब कुछ ठीक नहीं है। विडंबना देखिये कि उन्हें भारतीय टीम में खेलने का मौका तब मिला जिस उम्र में क्रिकेट के खिलाड़ी संन्यास लेने की सोच रहे होते हैं। उनके साथ के खिलाड़ी एक-एक करके टीम शामिल होते गये, लेकिन वे निराश नहीं हुए। अपने खेल में लगातार सुधार करते गये। उन्होंने अपना नया व प्रेरक आदर्श गढ़ लिया आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी माइकल हसी को, जिन्हें तीस साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिला था। हसी को भी पता था कि उनके खेल के लिये समय कम है। उन्होंने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में जमकर क्रिकेट खेली। वे बेहतरीन फिनिशरों में शुमार हुए। उन्होंने अपनी चमत्कृत करने वाली पारियों से दुनिया को चौंकाया था। बहरहाल, आज सूर्य की आतिशी बल्लेबाजी से पूरी दुनिया की आंखें चौंधियायी हुई हैं। उनके अद्भुत खेल के चलते उन्हें 360 डिग्री का बल्लेबाज कहा जाने लगा है। ऐसा इसलिये कहा जा रहा है क्योंकि वे अपने हुनर से मैदान के किसी भी कोने में गेंद पहुंचा सकते हैं। उन्होंने अपने खेल कौशल, फिटनेस, मुश्किल हालात में बेहतर खेलने तथा तेज खेल से टीम में खास जगह बनायी है। वैसे, भारतीय टीम में सूर्य को लाने का श्रेय रोहित शर्मा को देना होगा, जो उन्हें पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस की टीम में लाये। फिर चयनकर्ताओं को उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने के लिये राजी किया। हालांकि, सच यह भी है कि आईपीएल में खूब रन बनाने के बावजूद चयनकर्ताओं ने उन पर पहले ध्यान नहीं दिया। मगर बाद में रोहित शर्मा के प्रयासों से उनकी किस्मत जागी। सूर्य कुमार मुंबई के रहने वाले हैं। वे धारा प्रवाह मराठी बोल सकते हैं। उनके पिता भाभा अनुसंधान केंद्र में नौकरी करते हैं। वे अपने माता-पिता से इतना प्यार करते हैं कि शरीर पर उनकी तस्वीर का टैटू बनवाया है। वहीं पत्नी के नाम का भी टैटू है। वर्ष 2017 में देवीशा को उन्होंने जीवन संगिनी बनाया। उन्हें वे लकी मानते हैं। वास्तव में तमाम प्रतिभा के बावजूद भारतीय टीम में शामिल न हो पाने पर कारगर योजना तैयार करने में देवीशा ने सूर्य की मदद की थी। देवीशा के साथ मिलकर उन्होंने अपनी जीवन शैली, खानपान और खेल में सुधार किया। उन्हें महंगी गाड़ियों का शौक है तो पालतू कुत्तों से भी बेइंतहा प्यार है। चेंबूर के निकट अणुशक्ति नगर में रहने वाले सूर्य के परिवार में माता-पिता, पत्नी व बेटी हैं। सूर्य कुमार यादव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे बेखौफ खेलते हैं। यह भी कि वे मुश्किल परिस्थितियों में भी बेधड़क खेलते हैं। उनकी निडरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अपने डेब्यू मैच में जोफरा आर्चर जैसे खतरनाक गेंदबाज की पहली बॉल पर ऐसा छक्का लगाया कि क्रिकेट के दिग्गज भी चौंक गये थे। उनके शॉट्स की सुनामी में दुनिया के दिग्गज गेंदबाज भी डूबते नजर आते हैं। आज दुनिया में उनके जैसा उम्दा मध्यक्रम का बल्लेबाज दूसरा नजर नहीं आता। उनके खेल की टाइमिंग इतनी दुरस्त होती है कि गेंद बल्ले पर आने पर वे उसे मनचाही जगह भेज सकते हैं। जैसे कि पहले से लिखी इबारत की तरह उनका खेल तय हो। तभी वे पारी को संभालकर बड़ा स्कोर करने में सफल हो पाते हैं। वे टीम में देर से शामिल होने के बावजूद खूब तेज खेल रहे हैं। जैसे कह रहे हों मेरे पास समय कम है और बहुत आगे जाना है।

(चिंतन-मनन)

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुत- प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शापाङ्ग में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

4.5 अरब डॉलर की डिजिटल कंपनी का यह सीईओ तकनीकी छंटनी से घृणित है

लंदन।

4.5 अरब डॉलर की डिजिटल बीमा कंपनी वेफॉक्स के सीईओ जूलियन टिके ने कहा है कि वह प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा हजारों कर्मचारियों की छंटनी से निराश हैं, यह कहते हुए कि वे इंसान हैं।टिके ने सीएनबीसी को बताया कि वह नेवर मिस अ गुड क्राइसिस या वी हैव टू कट द फैट जैसे इस तरह के बयानों से थोड़ा निराश है। वेफॉक्स के सीईओ ने कहा, ये वे लोग हैं जिन्होंने आपके व्यवसाय में शामिल होने के लिए शायद अन्य नौकरियां छोड़ दी हैं। ये वे लोग हैं जो शायद आपकी वजह से दूसरी जगहों पर चले गए हैं। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने शायद रोमांटिक रिश्ते खत्म कर दिए हैं। उन्होंने कहा, ये इंसान हैं। वेफोक्स एक जर्मनी-आधारित फर्म है जो बीमा चाहने वाले उपयोगकर्ताओं को एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से दलालों और भागीदार बीमाकर्ताओं से जोड़ती है। उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया गया, मैं बड़े पैमाने पर छंटनी में विश्वास नहीं करता। हम प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर छंटनी पर नहीं। उन्होंने कहा कि सीईओ को अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करना पड़ता है। मैंने टेक उद्योग में ऐसा नहीं देखा है। वैश्विक मंदी के बीच स्पेक्ट्रम भर में अधिक से अधिक कंपनियों ने कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया, दुनिया भर में कम से कम 853 टेक कंपनियों ने आज तक लगभग 137,492 कर्मचारियों को निकाल दिया है और टैली केवल मंदी की आशंकाओं के बीच उत्तर की ओर जा रही है।

एक मंच के रूप में ट्विटर सभी के लिए निष्पक्ष होना चाहिए : मस्क

सैन फ्रांसिस्को।

ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मंच पर वापस बहाल कर दिया है, क्योंकि ट्रम्प ने किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं किया और माइक्रो-ब्लॉगिंग मंच सभी के लिए निष्पक्ष होना चाहिए। गाथा तब शुरू हुई जब एक उपयोगकर्ता ने ट्वीट किया, एक सप्ताह हो गया है जब एटदरेट एलन मस्क ट्रम्प को वापस लाए.. और उनके बिना एक बार भी ट्वीट नहीं किया। मस्क ने जवाब दिया, मैं ट्रम्प के ट्वीट न करने से ठीक हूं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून या सेवा की शर्तों का उल्लंघन न होने के बावजूद ट्विटर ने उनके खाते पर प्रतिबंध लगाने में एक गंभीर गलती को सुधारा है। उन्होंने कहा, एक अनुस्मारक के रूप में, मैं ओबामा-बाइडेन राष्ट्रपति पद का एक महत्वपूर्ण समर्थक था और (अनिच्छा से) बाइडेन के लिए मतदान किया। उन्होंने कहा, लेकिन एक मंच के रूप में ट्विटर सभी के लिए निष्पक्ष होना चाहिए। मस्क के ट्वीट पर कई यूजर्स ने अपने विचार व्यक्त किए। एक पोल के आधार पर, ट्विटर के सीईओ ने 20 नवंबर को घोषणा की थी कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म से फिर से जुड़ने की अनुमति दी गई है।

प्री-बजट विचार-विमर्श के दौरान राज्यों ने की अधिक धन आवंटन की मांग

नई दिल्ली।

राज्यों के वित्त मंत्रियों ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ प्री-बजट विचार-विमर्श के दौरान अधिक धन आवंटन की मांग को दोहराया।उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन में अधिक अधिकार की भी मांग की। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा, कुछ राज्यों ने खनिजों पर अधिक रॉयल्टी की भी मांग की है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री पी. थियागा राजन ने बैठक के बाद कहा कि सभी राज्य, पार्टी लाइन से ऊपर उठकर, इस बात पर एकमत थे कि केंद्र प्रायोजित योजनाएं उनकी वित्तीय स्वायत्तता पर दबाव डाल रही हैं, क्योंकि उनमें से कुछ में राज्य बड़ी मात्रा में योगदान दे रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री के 1 फरवरी, 2023 को केंद्रीय बजट पेश करने की संभावना है।

जोमेटो अब हिंदी में भी उपलब्ध, क्षेत्रीय भाषा वर्जन के माध्यम से 1,50,000 ऑर्डर कर रहा डिलीवर

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमेटो ने शुक्रवार को घोषणा की है कि यह अब हिंदी और बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, मराठी, तमिल और तेलुगु सहित व्यापक रूप से बोली जाने वाली अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।कंपनी ने कहा कि वह जोमेटो ऐप के क्षेत्रीय भाषा वर्जन के माध्यम से एक महीने में 150,000 से अधिक ऑर्डर दे रही है। कंपनी ने कहा, हिंदी और तमिल इन ऑर्डर्स में फिलहाल 54 फीसदी और 11 फीसदी का योगदान करते हैं और बाकी तेजी से बढ़ रहे हैं। जोमेटो फिलहाल 1,000 से ज्यादा शहरों में खाना डिलीवर करता है। फूड एग्रीगेटर ने कहा, हम सकारात्मक भावना के लिए आभारी हैं, हम मानते हैं कि हम अभी शुरुआत कर रहे हैं।

हम अपने क्षेत्रीय ऐप की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उन्हें अधिक सटीक और प्रासंगिक बनाने के लिए लगातार काम करेंगे। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का समेकित शुद्ध घाटा सितंबर तिमाही में घटकर 251 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 430 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने एक बयान में कहा था कि राजस्व एक साल पहले की अवधि में 1,024 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 1,661 करोड़ रुपये हो गया, जो 62.2 प्रतिशत की महत्वपूर्ण बढ़ोतरी है।

जोमेटो ने कहा, यह पहली तिमाही है जहां हमने अरब डॉलर के वार्षिक राजस्व चिह्न (1.05 अरब डॉलर) को पार कर लिया है।

ब्लिंकिट का ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) 26 प्रतिशत तिमाही-दर-तिमाही बढ़कर 14.82 अरब रुपये हो गया, जबकि राजस्व तिमाही-दर-तिमाही 44 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने कहा, त्वरित वाणिज्य में समायोजित ईबीआईटीडीए हानि पिछली तिमाही (2023 की पहली तिमाही) के 3.26 अरब रुपये से घटकर 2.59 अरब रुपये हो गई।

सरकार ने राज्यों को 17,000 करोड़ रुपये का जीएसटी मुआवजा जारी किया

नई दिल्ली। सरकार ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के लिए शेष जीएसटी मुआवजे के लिए 17,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं।आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि 2022-23 के दौरान उपरोक्त राशि सहित अब तक राज्यों को जारी मुआवजे की कुल राशि 1,15,662 करोड़ रुपये है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अक्टूबर, 2022 तक कुल टैक्स कलेक्शन केवल 72,147 करोड़ रुपये है और शेष 43,515 करोड़ रुपये केंद्र द्वारा अपने संसाधनों से जारी किए जा रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इसके साथ ही सरकार ने राज्यों को मुआवजे के भुगतान के लिए इस वर्ष मार्च के अंत तक अनुमानित टैक्स की पूरी राशि अग्रिम रूप से जारी कर दी है।यह निर्णय राज्यों को उनके संसाधनों के प्रबंधन में सहायता करने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि वित्तीय वर्ष के दौरान उनके कार्यक्रम, विशेष रूप से पूंजी पर व्यय सफलतापूर्वक किया जाता है।

अगर एप्पल, गूगल ट्विटर को ऐप स्टोर से हटा दें तो स्मार्टफोन का उत्पादन करेंगे : मस्क

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल और गूगल ऐप स्टोर टीमों द्वारा उनके अधीन ट्विटर की समीक्षा करने पर चिंतित, ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि वह एप्पल और एंड्रॉइड डिवाइसों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए वैकल्पिक स्मार्टफोन का उत्पादन करेंगे।ट्विटर अब एप्पल और गूगल दोनों ऐप स्टोरों द्वारा कड़ी जांच का सामना कर रहा है और मस्क को चिंता है कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को ऐप स्टोर से हटाया जा सकता है। यह सब तब शुरू हुआ जब एक यूजर ने ट्वीट किया, अगर एप्पल और गूगल अपने ऐप स्टोर से ट्विटर को बूट करते हैं, तो एटदरेट एलन मस्क को अपना स्मार्टफोन बनाना चाहिए। आधा देश खुशी से पक्षपाती, स्नूपिंग आईफोन और एंड्रॉइड को छोड़ देगा। व्यक्ति मंगल ग्रह पर रॉकेट बनाता है, एक छोटा सा स्मार्टफोन आसान होना चाहिए, है ना? मस्क ने जवाब दिया, मैं निश्चित रूप से आशा करता हूं कि यह उस पर नहीं आएगा। लेकिन, हां, अगर कोई अन्य विकल्प नहीं है, तो मैं एक वैकल्पिक फोन बनाउंगा। मस्क के पोस्ट पर कई यूजर्स ने अपने विचार व्यक्त किए। जबकि एक ने टिप्पणी की, मुझे यकीन है कि वह स्मार्टफोन में क्रांति ला देगा। दूसरे ने कहा, मुझे लगता है कि यह योजना पहले से ही काम कर रही है। सोशल मीडिया पर हैशटैग आरआईपी ट्विटर ट्रेंडिंग के बीच न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में, योएल रोथ (जिन्होंने ट्रस्ट और सेफ्टी के प्रमुख के रूप में ट्विटर छोड़ दिया) ने कहा, ट्विटर को अपने नए मालिक के लक्ष्यों को एप्पल और गूगल के इंटरनेट पर जीवन की व्यावहारिक वास्तविकताओं के खिलाफ संतुलित करना होगा, जो कर्मचारियों के लिए कोई आसान काम नहीं है। रोथ ने लिखा, और जैसे ही मैंने कंपनी छोड़ी, ऐप समीक्षा टीमों के कॉल पहले ही शुरू हो गए थे। मस्क द्वारा प्रभावशाली मंच को खरीदने के बाद से ट्विटर पर नस्लीय अपमान के मामले बढ़ गए हैं, मंच से आश्वासन के बावजूद कि इसने नफरत की गतिविधि को कम कर दिया है।

अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच हुआवेई, जेडटीई उपकरणों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

वाशिंगटन।

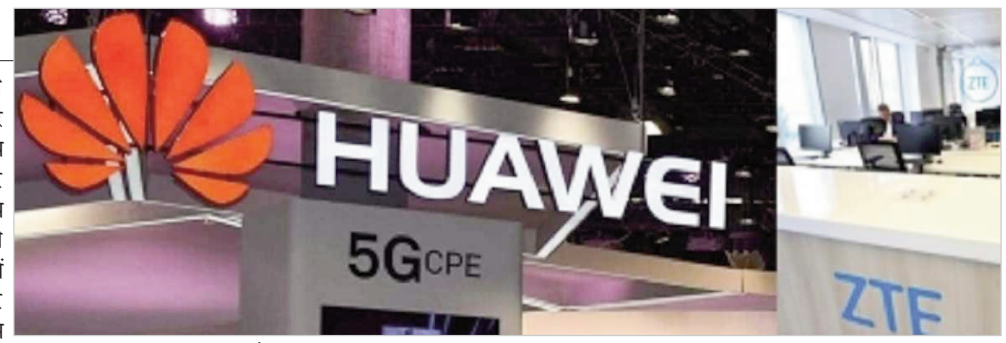

अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंताओं के बीच हुआवेई और जेडटीई सहित पांच चीनी कंपनियों से नए संचार उपकरणों की बिक्री और आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है।बीबीसी ने बताया कि सूचीबद्ध अन्य कंपनियों में हिकविजन, दहुआ और हाइटेरा शामिल हैं, जो वीडियो निगरानी उपकरण और दो-तरफा रेडियो सिस्टम बनाती हैं। बीबीसी ने बताया कि यह पहली बार है जब अमेरिकी नियामकों ने सुरक्षा के आधार पर इस तरह का कदम उठाया है। हिकविजन ने कहा कि उसके प्रोडक्ट अमेरिका के लिए कोई सुरक्षा खतरा पेश नहीं करते हैं। फैसले में बताया गया, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए कुछ नहीं करेगा, लेकिन अमेरिका के छोटे व्यवसायों, स्थानीय अधिकारियों, स्कूल जिलों और व्यक्तिगत उपभोक्ताओं के लिए खुद को, अपने घरों, व्यवसायों और संपत्ति को बचाने के लिए इसे और अधिक हानिकारक और अधिक महंगा बनाने के लिए बहुत कुछ करेगा। हुआवेई और अन्य ने पहले चीनी सरकार को डेटा की आपूर्ति से इनकार किया था। यूएस फेडरल कम्युनिकेशंस कमिशन (एफसीसी) ने कहा कि उसके सदस्यों ने नए नियमों को अपनाने के लिए शुक्रवार को सर्वसम्मति से मतदान किया था। आयोग की अध्यक्ष जेसिका रोसेनवर्सेल ने एक बयान में कहा, एफसीसी यह सुनिश्चित करके हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है कि अविश्वसनीय संचार उपकरण हमारी सीमाओं के भीतर उपयोग के लिए अधिकृत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ये नए नियम अमेरिकी लोगों को दूरसंचार से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों से बचाने के लिए हमारे चल रहे कार्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। क्योंकि प्रतिबंध पूर्वव्यापी नहीं है, सूचीबद्ध फर्मे अमेरिका में बिक्री के लिए पहले से स्वीकृत उत्पादों को बेचना जारी रख सकती हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में जासूसी संबंधी चिंताओं के बाद चीनी टेक फर्मों के खिलाफ लगाए गए नवीनतम प्रतिबंध हैं, जिनसे अमेरिकी अधिकारी हाल के वर्षों में तेजी से सावधान हो गए हैं।

पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड पैमेंट एग्रीगेटर सेवा प्रदान करने के लिए प्राधिकरण के लिए आवेदन फिर से जमा करेगा

नई दिल्ली।

भारत की प्रमुख डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने शनिवार को एक्सचेंजों के साथ अपनी 100 प्रतिशत सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) के बारे में अपडेट साझा किया।कंपनी ने कहा कि उसे ऑनलाइन व्यापारियों के लिए पैमेंट एग्रीगेटर सेवाएं (पीए एग्लीकेशन) प्रदान करने के लिए प्राधिकरण के लिए पीपीएसएल से एक आवेदन के जवाब में आरबीआई से एक पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी अब पैमेंट एग्रीगेटर सेवाओं के लिए 120 कैलेंडर दिनों के भीतर आवेदन फिर से जमा कर सकती है। इससे पहले, कंपनी एफडीआई दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए वन97 कम्युनिके शंस लिमिटेड (ओसीएल) से पीपीएसएल में पिछले डाउनवर्ड निवेश के लिए आवश्यक अनुमोदन मांगेगी। इस प्रक्रिया के दौरान कंपनी नए ऑनलाइन मर्चेंट्स को ऑनबोर्ड नहीं करेगी। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, हम नए ऑफलाइन व्यापारियों को ऑनबोर्ड करना जारी रख सकते हैं और उन्हें ऑल-इन-वन क्यूआर, साउंडबॉक्स, कार्ड मशीन आदि सहित पैमेंट सेवाओं की पेशकश कर सकते हैं। इसी तरह, पीपीएसएल उन मौजूदा ऑनलाइन व्यापारियों के साथ व्यापार करना जारी रख सकता है जिनके लिए सेवाएं अप्रभावित रहेंगी। इसका मतलब है कि पेटीएम की मजबूत व्यावसायिक गति जारी रहेगी, इसके लाभप्रदता लक्ष्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि कंपनी अपने मौजूदा ऑनलाइन व्यापारियों के साथ काम करना जारी रख सकती है। इसके अतिरिक्त, पेटीएम के बढ़ते उपकरण परिनियोजन आधार और बढ़ते ऑफलाइन भुगतान आधार भी इस विकास से प्रभावित नहीं होंगे जहां यह नए व्यापारियों को जोड़ना जारी रख सकता है। कंपनी ने विशेष रूप से रेखांकित किया कि इसका उसके व्यवसाय और राजस्व पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं है क्योंकि आरबीआई से संचार केवल नए ऑनलाइन व्यापारियों के ऑनबोर्डिंग पर लागू होता है। कंपनी ने कहा, हम समयबद्ध तरीके से आवश्यक अपूर्वल्स प्राप्त करने और एप्लिकेशन को पुनः सबमिट करने के लिए आशान्वित हैं।

व्हाट्सएप विंडोज बीटा पर कॉन्टेक्ट कार्ड शेयरिंग करेगा रिलीज

सैन फ्रांसिस्को। मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने विंडोज बीटा पर कॉन्टेक्ट कार्ड शेयर करने की क्षमता को रिलीज करना शुरू कर दिया है।वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार नया फीचर्स यूजर्स को एक ही चैट शेयर शीट के भीतर कॉन्टेक्ट कार्ड शेयर करने की अनुमति देता है। यदि उपयोगकर्ता के व्हाट्सएप अकाउंट के लिए फीचर पहले से ही सक्षम है, तो एंट्री प्वाइंट कॉन्टेक्ट्स दिखाई देगा। इस फीचर के साथ, जब कोई उपयोगकर्ता कॉन्टेक्ट कार्ड शेयर करता है, तो प्राप्तकर्ता इसे आसानी से अपनी एड्रेस बुक में जोड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विंडोज 2.2247.2.0 अपडेट के लिए व्हाट्सएप बीटा डाउनलोड करने के बाद कुछ बीटा यूजर्स के लिए कॉन्टेक्ट कार्ड शेयर करने की क्षमता शुरू की गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने विंडोज बीटा पर पोल क्रिएट करने की क्षमता शुरू की थी। पोल क्रिएट करने के लिए, यूजर्स को अटैच आइकन पर क्लिक करना होगा जो चैट बार के बगल में है और एक पोल ऑप्शन देखा जा सकता है। यह फीचर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड है, जिसका अर्थ है कि केवल उसी बातचीत में मौजूद अन्य लोग इसे पढ़ सकते हैं और इसका जवाब दे सकते हैं। यह व्यक्तिगत और ग्रुप चैट दोनों के लिए उपलब्ध है।

अकासा एयर ने पुणे से अपनी पहली उड़ान संचालित की

नई दिल्ली।

अकासा एयर ने शनिवार को पुणे-बेंगलुरु मार्ग पर अपनी पहली उड़ान का उद्घाटन किया। अकासा एयर के नेटवर्क में पुणे नौवां गंतव्य है और मुंबई के बाद महाराष्ट्र राज्य में इसका दूसरा शहर है।एयरलाइन 10 दिसंबर, 2022 से दो आईटी केंद्रों को जोड़ते हुए अतिरिक्त दैनिक उड़ानों के साथ शनिवार से बेंगलुरु-पुणे मार्ग पर दोहरी दैनिक उड़ानें प्रदान कर रही है। इससे पहले नवंबर में, अकासा एयर ने विशाखापत्तनम को अपने नेटवर्क पर दसवें गंतव्य के रूप में जोड़ने की घोषणा की थी, जिसमें शहर को बेंगलुरु से जोड़ने वाली उड़ानें 10 दिसंबर, 2022 से शुरू होने वाली थीं और 12 दिसंबर 2022 को रूट पर दूसरी फ्रीक्वेंसी जोड़ी जाएगी। इस साल अगस्त में लॉन्च होने के बाद से, अकासा एयर उत्तरोत्तर अपने परिचालन को बढ़ा रही है और दिसंबर के मध्य तक दस शहरों- अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोच्चि, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, गुवाहाटी, अगरतला, पुणे और विशाखापत्तनम में कुल चौदह मार्गों पर 450 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें पार करने की उम्मीद है। शहरों, मार्गों और आवृत्तियों का यह तेजी से विस्तार पूरे भारत में अपने नेटवर्क को विकसित करने के लिए एक चरणबद्ध लेकिन तीव्र दृष्टिकोण अपनाने के एयरलाइन के दृष्टिकोण के अनुरूप है। अकासा एयर के सह-संस्थापक और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एपी प्रवीण अय्यर ने पहली उड़ान और नए मार्ग पर टिप्पणी करते हुए कहा, इस मार्ग पर परिचालन की शुरुआत एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि हम पुणे को अपने नेटवर्क में जोड़कर महाराष्ट्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। पुणे और बेंगलुरु दोनों महत्वपूर्ण आईटी केंद्र हैं और इस मार्ग पर बढ़ी हुई कनेक्टिविटी, किफायती किराए से समर्थित, हमारे देश के महत्वपूर्ण परिवहन लिंक को मजबूत करने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। हम जल्द ही 10 दिसंबर से इस मार्ग पर

एक और दैनिक उड़ान शुरू करेंगे, जो दिन में तीन सुविधाजनक विकल्पों के साथ पुणे से दैनिक प्रस्थान करेगी। अकासा एयर ने दो विमानों के साथ अपना व्यावसायिक संचालन शुरू किया और बाद में आज तक नौ विमान प्राप्त किए हैं। यह एक बेड़े विस्तार योजना का उपयोग करके मेट्रो से टियर 2 और 3 रूट कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक मजबूत अखिल भारतीय उपस्थिति स्थापित करने के लिए अपने नेटवर्क का विकास करना जारी रखेगा, जो हर 15 दिनों में एक नया विमान जोड़ता है।

हरियाणा सीएम ने केंद्रीय वित्त मंत्री से राज्य के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की

नई दिल्ली।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से एनसीआर के 14 जिलों को ध्यान में रखते हुए राज्य के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की है। दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बातचीत के दौरान हरियाणा के सीएम ने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के निर्माण और रखरखाव पर बहुत सारे संसाधन खर्च करने पड़ते हैं, इसे ध्यान में रखकर हरियाणा को एक विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने वित्त मंत्री से बताया कि राज्य का क्षेत्रफल 25,327 वर्ग किलो मीटर है और 164.3 लाख की आबादी एनसीआर के अंतर्गत आती है। यह क्षेत्र बुनियादी ढांचे, पानी, स्वच्छता, शहरी विकास और कनेक्टिविटी के लिए बहुत सारे संसाधनों की खपत करता है। सीएम ने कहा कि एनसीआर में हरियाणा सरकार के एमपी एक्सप्रेसवे के विकास, रेल ऑर्बिटल प्रोजेक्ट, पंचग्राम विजन के रूप में केएमपी कॉरिडोर के साथ अन्य विकास कार्यों और बड़ी परियोजनाओं पर पैसा खर्च कर रही है। इसलिए केंद्र सरकार से राज्य के लिए विशेष पैकेज की की मांग जायज है। सीएम ने वर्ष 2022-23 में भी 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में राज्यों को पूंजी निवेश योजना के लिए लगातार विशेष मदद के लिए केंद्र सरकार का शुक्रिया आदा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना के कार्य को सफलतापूर्वक करने के लिए 2022-23 में 874 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने सरकार से भविष्य में इस योजना को जारी रखने की अपील की है। इसके अलावा सीएम ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ साथ स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने का भी काम किया गया है। सीएम ने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के निर्माण और संचालन के लिए प्रत्येक परियोजना पर 700 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश की जरूरत है। इसलिए केंद्र सरकार से विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की गई है।

अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्च र के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्च र की कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस शुरू करने का आदेश दिया है।अंसल प्रॉपर्टीज के लेनदारों को 1 दिसंबर तक अंतरिम समाधान पेशेवर के पास सबूत के साथ अपने दावे पेश करने को कहा गया है। अंतरिम समाधान पेशेवर द्वारा पता लगाए गए लेनदारों की श्रेणी में घर खरीदार और जमा धारक शामिल हैं। अश्विनी कुमार सिंगला को अंसल प्रॉपर्टीज के लिए अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया गया है। कंपनी की स्थापना 1967 में हुई थी और यह दिल्ली-एनसीआर में एक प्रसिद्ध रियल एस्टेट नाम है। दो सदस्यीय एनसीएलटी पीठ ने गुड़गांव के सेक्टर 91 में स्थित अंसल एपीआई की रियल एस्टेट परियोजना द फर्नहिल के 100 से अधिक आवंटियों द्वारा दायर याचिका को स्वीकार किया था। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया है कि कंपनी के पास बिल्डर-बायर एग्रीमेंट के मामले में प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए पर्याप्त समय था, जिसे देने में वह विफल रही। घर खरीदारों ने वादा किए गए समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा करने में अंसल एपीआई की ओर से चूक का आरोप लगाया था। एनसीएलटी बेंच ने कहा- आवेदक वर्तमान मामले में प्रतिवादी की ओर से अपने ऋण और चूक को साबित करने में सफल रहे हैं। इसलिए, दिए गए तथ्यों और परिस्थितियों में, वर्तमान आवेदन पूर्ण होने और डिफॉल्ट सीमा से अधिक होने के कारण, वर्तमान आवेदन स्वीकार किया जाता है।

पीएनजीआरबी ने प्राकृतिक गैस टैरिफ, प्राधिकरण और क्षमता विनियमों में संशोधन किया

नई दिल्ली।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने अपने तीन नियमों में संशोधन किया है। जिनमें प्राकृतिक गैस पाइपलाइन शुल्क, प्राधिकरण और क्षमता विनियम शामिल हैं। ये संशोधन मिलकर टैरिफ विनियमों को लागू करने में सक्षम होंगे जो 1 अप्रैल 2023 से पूरे देश में प्रभावी होंगे। एकीकृत टैरिफ के मुद्दों को हल करने के लिए एक उद्योग समिति का गठन किया गया है जो इसका समाधान करेगा। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इन परिवर्तनों का उद्देश्य एक राष्ट्र एक ग्रिड और एक टैरिफ के उद्देश्य को हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धी और सस्ती दरों पर दूर के क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस की पहुंच प्रदान करना है। रिपोर्ट के अनुसार, एकीकृत टैरिफ के कार्यान्वयन को सरल बनाने के लिए कंपनी स्तर की एकीकृत प्राकृतिक गैस पाइपलाइन टैरिफ को उपरोक्त विनियमों में पेश किया गया है, जोकि देश स्तर पर एकीकृत टैरिफ के लिए बिल्डिंग ब्लॉक के रूप में काम करेगी। इसके

अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए एकीकृत टैरिफ जोन की संख्या बढ़ाकर तीन कर दी गई है। सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा, बेहिसाब गैस, अधिस्थगन अवधि और क्षमता बढ़ाने जैसे अन्य संशोधनों को शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड से हारने के बावजूद भारत क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग तालिका में शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजबान भारत शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरूआती वनडे में सात विकेट की हार के बावजूद आईसीसी पुरूष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम इस जीत की बदौलत दो पायदान की छलांग से चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। भारत 19 मैचों में 129 अंक लेकर शीर्ष पर है जिसके बाद इंग्लैंड (18 मैचों में 125 अंक), आस्ट्रेलिया (18 मैचों में 120 अंक), न्यूजीलैंड (16 मैचों में 120 अंक) और बांग्लादेश (18 मैचों में 120 अंक) काबिज हैं।

न्यूजीलैंड ने ऑकलैंड में भारत के खिलाफ पहले वनडे में टॉम लैथम और केन विलियमसन की शानदार पारियों की बदौलत लीग तालिका में छलांग लगायी। इस जीत से न्यूजीलैंड को 10 सीडब्ल्यूसीएसएल (क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग) अंक मिले। प्रत्येक टीम को एक जीत से 10 अंक, टाई/कोई नतीजा नहीं/रद्द हुए मैच से पांच अंक मिलते हैं और हार से कोई अंक नहीं मिलता। शीर्ष आठ टीमों को भारत में होने वाले आईसीसी पुरूष क्रिकेट विश्व कप 2023 में सीधे प्रवेश मिलेगा। बची हुई टीमों को पांच एसोसिएट टीमों के साथ आईसीसी पुरूष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर खेलने होंगे। क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से दो टीमें विश्व कप में जायेंगी। भारत मेजबान होने के नाते स्वतः ही इसमें क्वालीफाई कर चुका है।

विश्वनाथ, वंशज और देविका ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीता 'गोल्ड' मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश, वंशज और देविका घोरपड़े ने स्पेन के ला नुसिया में चल रही आईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। चेन्नई में जन्में विश्वनाथ ने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने पुरुषों के 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में फिलीपींस के रोनेल सुयोम को हराकर सोने का तमगा हासिल किया।

इसके बाद रिंग पर उतरी भावना शर्मा को महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग में उज्बेकिस्तान की गुलसेवर गनीवा से 0-5 से हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। आशीष (54 किग्रा) रजत पदक हासिल करने वाले अन्य भारतीय थे। वह जापानी मुक्केबाज युता साकाई से 1-4 से हार गए। पुणे की रहने वाली देविका ने महिलाओं के 52 किग्रा फाइनल में इंग्लैंड की लौरेन मैकी को हराकर भारत के खाते में दूसरा स्वर्ण पदक जोड़ा। युवा एशियाई चैंपियन वंशज ने भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। सोनीपत के रहने वाले इस मुक्केबाज ने पुरुषों के 63.5 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में जॉर्जिया के देमूर कजाया को आसानी से हराया। भारत 11 पदकों के साथ इस प्रतियोगिता में शीर्ष पर है।

उसके बाद उज्बेकिस्तान (10), आयरलैंड (सात) और कजाकिस्तान (सात) का का नंबर आता है। इस साल चैंपियनशिप में 73 देशों के लगभग 600 मुक्केबाजों ने भाग लिया। भारत ने महिला वर्ग में आठ पदक जीते जो कि रिकॉर्ड है। रवीना (63 किग्रा) और कीर्ति (81 किग्रा से अधिक) प्रतियोगिता के आखिरी दिन महिला वर्ग के फाइनल में भारत के खाते में दो और स्वर्ण पदक जोड़ सकती हैं। रवीना और कीर्ति क्रमशः नीदरलैंड की मेगन डेक्लेर और आयरलैंड की एलिजाबेथ डी आर्सी से भिड़ेंगी।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं जडेजा, इस घरेलू क्रिकेटर को मिलेगा मौका

मुंबई(एजेंसी)। भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा घुटने की चोट से पूरी तरह न उभर पाने के कारण बांग्लादेश के विरुद्ध अगले महीने होने वाले दो टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के वामहस्त स्पिनर सौरभ कुमार टेस्ट टीम में जडेजा की जगह लेंगे। सौरभ बांग्लादेश-ए के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैच खेलने के लिए गुरुवार को ढाका रवाना हुई भारत-ए टीम का हिस्सा हैं। भारत-ए और बांग्लादेश-ए के बीच दूसरा चार-दिवसीय मैच नौ दिसंबर को समाप्त होगा, जबकि भारत और बंगलादेश 14 दिसंबर से आधिकारिक टेस्ट की शुरुआत करेंगे। उल्लेखनीय है कि जडेजा एशिया कप 2022 में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ मैच के दौरान चोटग्रस्त हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने घुटने की सर्जरी करवाई थी। वह इस चोट के कारण एशिया कप के बाकी मैचों और टी20 विश्व कप 2022 में हिस्सा नहीं ले सके थे। बीसीसीआई ने बांग्लादेश के खिलाफ चार दिसंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से भी जडेजा के बाहर होने की घोषणा बुधवार को कर दी थी। एकदिवसीय टीम में जडेजा की जगह शाहबाज अहमद को शामिल किया गया है।

रमीज राजा के बयान पर अनुराग ठाकुर का पलटवार, सही समय का इंतजार करें, भारत खेल जगत में बहुत बड़ी ताकत है

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2023 का एशिया कप पाकिस्तान में होना है। हालांकि, भारत की ओर से साफ तौर पर कह दिया गया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएगी। वहीं, पाकिस्तान की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। हाल में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा ने साफ तौर पर कहा है कि अगर भारत एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं आता है। तो पाकिस्तान की टीम भी 2023 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी। दरअसल, 2023 का एकदिवसीय विश्वकप भारत में ही होना है। इसी को लेकर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से सवाल पूछा गया। अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर कहा है कि सही समय का इंतजार करें। एक वक्त आएगा जब खेल की दुनिया में भारत बड़ी शक्ति है।

अपने बयान में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सही समय

का इंतजार करें। भारत खेल की दुनिया में एक बड़ी शक्ति है और कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारत खेल जगत में बहुत बड़ी ताकत है। आज शायद कोई भी देश भारत की अनदेखी नहीं कर सकता। आपको बता दें कि पीसीबी चेयरमैन रमीज राजा ने भी बड़ा बयान देकर अपना रुख साफ करते हुए कहा कि भारत की टीम एशिया कप 2023 के लिए अगर पाकिस्तान नहीं आती है तो इस मामले को हल्के में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर विश्व कप 2023 के दौरान पाकिस्तान की टीम भारत नहीं जाती है तो वहां विश्व कप देखेगा ही कौन? उन्होंने कहा कि अगर भारत पाकिस्तान आता है तो ही पाकिस्तान विश्व कप में हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि आज के समय में हमारी टीम भी मजबूत है।

दरअसल, बीसीसीआई सचिव जय शाह के एक बयान को लेकर बवाल मचा हुआ है। जय शाह ने कहा था कि भारतीय टीम एशिया कप 2023 के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। इसके साथ ही एशिया कप को न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाने की उन्होंने बात कही थी। पूरे बवाल के बीच अब बीसीसीआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोजर बिन्नी का भी बयान आ गया था। उन्होंने टीम इंडिया के पाकिस्तान दौरे को लेकर साफ तौर पर कहा है कि यह हमारे हाथ में नहीं है। हम यह नहीं कह सकते कि हमारी टीम को कहां जाना है। बिन्नी ने कहा कि अगर हम देश छोड़ते हैं या अन्य देश को जाते हैं या फिर कहीं से आते हैं तो हमें सरकार से मंजूरी लेनी होती हैं। अपने दम पर हम यह निर्णय नहीं ले सकते हैं। हमें सरकार पर भरोसा करना होगा।

विजय हजारे ट्रॉफी : मुंबई हारा, उत्तर प्रदेश ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

अहमदाबाद : मुंबई की अनुभवहीन टीम को आठ विकेट से हराकर उत्तर प्रदेश ने शनिवार को यहां विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शिवम मावी की अगुवाई में उत्तर प्रदेश के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई को 220 रन पर आउट कर दिया। मावी ने 41 रन देकर चार विकेट लिए जबकि कार्तिक त्यागी और शिवा सिंह को 2-2 विकेट मिले। जवाब में उत्तर प्रदेश के विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल ने 103 गेंद में 82 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक ने 75 गेंद में 46 रन का योगदान दिया। कप्तान करण शर्मा ने 38 गेंद में नाबाद 42 रन बनाए। उत्तर प्रदेश ने 26 गेंद बाकी रहते मैच जीत लिया। अब उसका सामना अंतिम आठ में महाराष्ट्र से होगा। मुंबई की टीम यशस्वी जायसवाल और सरफराज अहमद के बिना उतरी थी जो बांग्लादेश दौरे पर भारत ए टीम के साथ है।

विजय हजारे ट्रॉफी : खजूरिया का लगातार चौथा अर्धशतक, जम्मू कश्मीर क्वार्टरफाइनल में पहुंचा

अहमदाबाद(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर ने शनिवार को यहां केरल पर सात विकेट की जीत से विजय हजारे ट्राफी में अपना स्वप्निल सफर क्वार्टरफाइनल तक बढ़ा दिया। फॉर्म में चल रहे औकिब नबी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ (39 रन देकर चार विकेट) प्रदर्शन किया जिससे जम्मू कश्मीर ने केरल को 47.4 ओवर में महज 174 रन पर समेट दिया। जवाब में जम्मू कश्मीर ने शुभमन खजूरिया (76 रन) और कामरान इकबाल (51 रन) के अर्धशतकों तथा 21.4 ओवर में उनकी 113 रन की भागीदारी से 37.5 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। खजूरिया अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, उन्होंने 61 गेंद की पारी के दौरान छह छक्के और पांच चौके जमाए। यह उनका इस सत्र में लगातार चौथा अर्धशतक है। हालांकि वह लगातार दूसरी बार रन आउट हुए जिससे जम्मू कश्मीर ने महज 32 रन जोड़कर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन स्कोरबोर्ड का कोई दबाव नहीं था और हेनान नजीर और फाजिल राशिद ने अपनी टीम को इस सत्र में सात मैचों में छठी जीत तक पहुंचाया। जम्मू कश्मीर अब सोमवार को यहां क्वार्टरफाइनल में ग्रुप बी में शीर्ष पर रहने वाली असम से भिड़ेगा। नबी, युद्धवीर सिंह (16 रन देकर दो विकेट) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुज्तबा युसूफ (37 रन देकर एक विकेट) ने सात बल्लेबाजों को आउट किया। केरल के लिए सलामी बल्लेबाज विनूप मनोहरन 81 गेंद में 62 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

दिल्ली के इन 2 बड़े स्टेडियम से फंड जुटाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। सरकार चालू वित्त वर्ष में दिल्ली में दो स्टेडियमों के साथ-साथ गांधीनगर और भोपाल में भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्रों के मुद्रीकरण पर जोर देगी। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और इंदिरा गांधी स्टेडियम हैं, जो एशिया की सबसे बड़ी इनडोर खेल सुविधाओं में से एक है। इसे युवा मामले और खेल मंत्रालय की 7,853 करोड़ की संपत्ति-मुद्रीकरण योजना में शामिल किया गया है। केंद्र ने अब तक संपत्ति-मुद्रीकरण योजना से पहले 7 महीनों में 33,443 करोड़ रुपए जुटाए हैं। इसी कारण लक्ष्य को घटाकर 1.24 लाख करोड़ रुपए किया जा सकता है। खेल मंत्रालय

इससे 2100 करोड़ रुपए कमा सकता है। फंड को ग्रीनफील्ड फेसेलिटी डैवल्प करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। एन.टी.पी.सी. को नवीकरणीय ऊर्जा शाखा एन.टी.पी.सी. ग्रीन एनर्जी में एक रणनीतिक या वित्तीय निवेशक को शामिल करने के लिए कहा गया है। विद्युत मंत्रालय का 15,308 करोड़ रुपए का मुद्रीकरण लक्ष्य है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग को चालू वित्त वर्ष में 8,670 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया है। 80 स्थानों पर 34.9 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता की स्थापना के लिए लगभग 2,823 करोड़ रुपए के प्रस्तावों पर कार्रवाई की जा रही है। कोयला मंत्रालय सरकार के मुद्रीकरण अभियान का नेतृत्व कर रहा है। यहां 30,000 करोड़ रुपए का लक्ष्य है जबकि 52,000 करोड़ रुपए जुटने की उम्मीद है। जहाजरानी मंत्रालय को 3,553 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 12,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बता दें कि सरकार ने पिछले साल केंद्रीय मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की संपत्ति-मुद्रीकरण पाइपलाइन शुरू की थी।

आकाशदीप की मेहनत पर फिरा पानी, आखिरी मिनट में भारत से जीता ऑस्ट्रेलिया

एडीलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी मिनट में ब्लेक गोवर्स के गोल की बदौलत शनिवार को हॉकी टेस्ट शृंखला के पहले रोमांचक मुकाबले में भारत को 5-4 से मात दी। भारत के लिए आकाशदीप सिंह (10वां, 27वां, 59वां मिनट) ने तीन गोल किये, जबकि एक गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह (31वां मिनट) ने किया। ऑस्ट्रेलिया के गोल लैचलेन शार्प (5वां मिनट), नेथन एफ़रौम्स (21वां मिनट), क्रेग टॉम (41वां मिनट) और गोवर्स (57वां, 60वां मिनट) ने जमाये। मैच समाप्त होने से दो मिनट पहले तक भारत 4-3 से पिछड़ा हुआ था। आकाशदीप ने 59वें मिनट में फील्ड गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया, लेकिन इसी दौरान दो पेनल्टी देना हरमनप्रीत की टीम को भारी पड़ा। गोवर्स पहली पेनल्टी को गोल में तब्दील करने से चूक गए, लेकिन दूसरी बार उन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर अपना 118वां गोल स्कोर किया और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की हॉकी टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

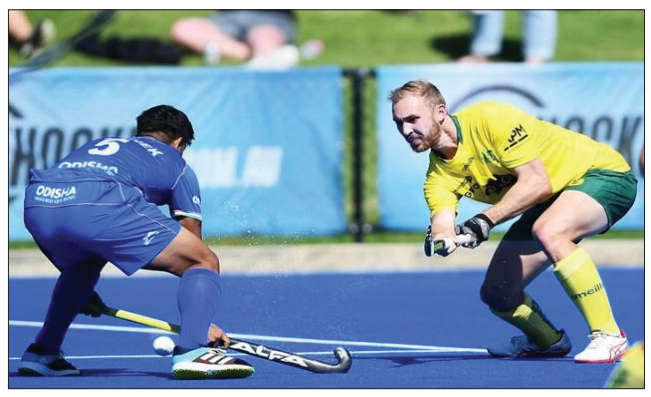

फीफा विश्व कप: जापान की निगाहें कोस्टा रिका पर जीत से नॉकआउट में पहुंचने पर होंगी

दोहा (कतर) (एजेंसी)। फीफा विश्व कप के शुरूआती मुकाबले में चार बार की चैम्पियन जर्मनी पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करने के बाद जापान की निगाहें ग्रुप ई में कोस्टा रिका के खिलाफ जीत दर्ज कर नॉकआउट चरण में जगह बनाने पर लगी होंगी। जापान की इस जीत की तुलना इंग्लैंड में 2015 रग्बी विश्व कप में जापान की दक्षिण अफ्रीका पर 34-32 की उलटफेर भरी जीत से की जा रही है।

जर्मनी जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ 'अंडरडॉग' (छुपा रूस्तम) के तौर पर उतरा जापान कोस्टा रिका के खिलाफ प्रबल दावेदार होगा और इसमें जीत उसे एक मैच रहते नॉकआउट चरण में पहुंचा देगी। कोस्टा रिका को शुरूआती मैच में स्पेन से 0-7 से हार मिली थी जिससे रविवार को जापान से हार उसे टूर्नामेंट से बाहर कर देगी। कोस्टा रिका को अपने अंतिम मैच में जर्मनी से भिड़ना है और जापान का सामना स्पेन से होगा।

पांच लाख के करीब लोगों की आबादी वाला कोस्टा रिका अपने छठे विश्व कप में खेल रहा है। मध्य अमरीका का यह छोटा सा देश ब्राजील में 2014 में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचा था। वहीं जापान की टीम कभी भी विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंची है जिससे इस बार वह ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। टीम लगातार सातवीं बार विश्व कप में खेल रही है और वह तीन बार राउंड 16 तक पहुंची है जिसमें 2018 में रूस का विश्व कप भी शामिल है। जापान के कोच हाजिमे मोरियासू इस बार टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने के बारे में बात कर रहे हैं। स्थानापन्न रित्सु दोआन और ताकुमा असानो ने जर्मनी के खिलाफ अंत में गोल दागे थे, ये दोनों जर्मनी की बुंदेसलीगा में खेलते हैं। स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद कोस्टा रिका के कोच लुई फर्नांडो सुआरेज ने कहा, 'हम तीन या चार पास पूरे नहीं कर सके।' इससे कोस्टा रिका के सामने जापान के खिलाफ गेंद को कब्जे में रखने की कड़ी चुनौती होगी।

डेविस कप : क्रोएशिया को 21 से हराकर ऑस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंचा

मलागा (स्पेन)। आस्ट्रेलिया ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर 19 साल में पहली बार डेविस कप फाइनल में प्रवेश किया। आस्ट्रेलिया ने अपना 28वां और अंतिम खिताब 2003 में जीता था। लेटन हेविट की टीम शुक्रवार को पहला एकल गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रही। फिर ऑस्ट्रेलिया की युगल जोड़ी ने निर्णायक मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया के लिए 1999 से 2018 तक रिकॉर्ड 43 डेविस कप मुकाबले खेल चुके हेविट ने कहा, 'मुझे बहुत गर्व है। ऑस्ट्रेलिया का इस प्रतियोगिता में वास्तव में शानदार इतिहास है।' बार्ना कोरिच ने थानासी कोकिनाकिस को 6-4, 6-3 को हराकर क्रोएशिया को आगे कर दिया था। लेकिन एलेक्स डि मिनॉर ने मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। जिससे युगल मुकाबला निर्णायक हो गया। जोर्डन थॉम्पसन और मैक्स पुर्सेल की जोड़ी ने निकोला मेकटिच और माटे पाविच की जोड़ी को 6-7, 7-5, 6-4 से हराकर अपनी टीम की सेमीफाइनल जीत सुनिश्चित की। डि मिनॉर ने कहा, 'टीम यही होती है जो कभी हार नहीं मानने वाला इरादा रखती है।' दूसरे सेमीफाइनल में कनाडा का सामना शनिवार को इटली से होगा।

फीफा वर्ल्ड कप : टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया ने ट्यूनीशिया को दी मात

कतर। मिशेल ड्यूक के गोल की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां ट्यूनीशिया को 1-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपनी उम्मीद जीवंत रखी। ऑस्ट्रेलिया को नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में केवल ड्रॉ की जरूरत थी लेकिन ड्यूक के 23वें मिनट में किए गए गोल से वह पूरे तीन अंक हासिल करने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया की 2010 में सर्बिया के खिलाफ जीत के बाद विश्वकप में यह पहली जीत है। इस परिणाम का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अभी अंतिम 16 में जगह बना सकता है। वह अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन फ्रांस से 4-1 से हार गया था। ग्रुप डी में अब फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया दोनों के तीन-तीन अंक हैं। डेनमार्क और ट्यूनीशिया के एक एक अंक हैं। फ्रांस को अभी डेनमार्क का सामना करना है। इस ग्रुप के अंतिम चरण के मैच बुधवार को खेले जाएंगे जिसमें ट्यूनीशिया का सामना फ्रांस से और ऑस्ट्रेलिया का डेनमार्क से होगा। इस मैच में दोनों टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ड्यूक ने ऐसे में अपनी चपलता दिखाकर गोल दागा। उन्होंने पहले मैदान के बीच में गेंद को संभाला और फिर उसे क्रेग गुडविन के पास दिया। इसके बाद ड्यूक ने तेज दौड़ लगाई और गुडविन के क्रॉस पर दर्शनीय गोल किया। ड्यूक ने गोल करने के बाद अपने हाथ से हवा में 'जे' बनाया जो उनके पुत्र जैकसन के लिए था। जैकसन स्टेडियम में मौजूद थे। इस गोल से लाल रंग के वस्त्र पहनकर स्टेडियम में पहुंचे ट्यूनीशिया के समर्थक सन्न रह गए जबकि पीले वस्त्रों से सज्जित ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक बल्लियों उछलने लगे। ट्यूनीशिया ने पिछले मैच में यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले डेनमार्क को गोल रहित ड्रा पर रोककर प्रभावित किया था लेकिन वह आस्ट्रेलिया को कुछ अवसरों पर पर ही चुनौती दे पाया। ऑस्ट्रेलिया ने भी एक गोल की बढ़त के बाद गोल बचाने पर अपनी ताकत लगा दी। ट्यूनीशिया अपने छठे विश्वकप में खेल रहा है लेकिन वह कभी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाया। वह अब भी नॉकआउट में जगह बना सकता है लेकिन इसके लिए उसे फ्रांस की मजबूत टीम को हराना होगा।

विश्व कप 2023 में रोहित शर्मा को मिला जीत का मंत्र, कोच ने दी खास नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद अपना सफर आगे जारी नहीं रख सकी। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को इंग्लैंड ने 10 विकेट से मात दी। आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को मिली ये अब तक की सबसे बड़ी हार थी। इस हार के बाद से ही कप्तान रोहित शर्मा सभी के निशाने पर आ गए है। रोहित शर्मा पूरे टूर्नामेंट के दौरान फ्लॉप साबित हुए थे।

वहीं अब रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने भी खराब प्रदर्शन को लेकर सवाल खड़े किए है। टीम में कुछ खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मगर फिर भी टीम बीते छह से सात महीनों से अपने स्तर पर नहीं पहुंची है। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर भारतीय टीम विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में विजय हासिल करना चाहती है तो खिलाड़ियों को आईपीएल मैचों से दूरी बनानी होगी। रोहित शर्मा के कोच की तरफ से ये काफी चौंकाने वाला बयान सामने आया है।

टीम को एकजुट होना जरूरी: उन्होंने कहा कि टीम बीते कई महीनों से खुद को संभाल नहीं पा रही है। विश्व कप जैसे अहम टूर्नामेंट को जीतना है तो टीम को एकजुटता दिखानी होगी। बीते सात महीनों में ना ही ओपनिंग जोड़ी तय की गई है। किसी भी खिलाड़ी को ओपनिंग करने भेजा जाता है। ना ही गेंदबाजी में कोई स्थिरता देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि अगर ये टीम विश्व कप जीतने का सपना रखती है तो आईपीएल जैसे मैचों को खेलना छोड़ना होगा।

उन्होंने कहा कि ये फैसला खिलाड़ियों पर है। उन्हें अपने नाम आईपीएल जैसे मुकाबलों से वापस लेना है या नहीं, ये खिलाड़ियों को ही तय करना होगा। जब भारत के लिए खेलना होता है तो आईपीएल जैसे खेलों को बीच में नहीं आना चाहिए। खेल के जरिए ही आईपीएल में भी सैलरी मिलती है। आईपीएल में मौका पाने के लिए भी राज्य में शानदार खेल दिखाना होता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच खेलना अहम: उन्होंने कहा कि पेशेवर ग्रेड में खिलाड़ियों के लिए जरूरी है कि वो अधिक से अधिक इंटरनेशनल स्तर पर मैच खेलें। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय खेल से खास प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले खेलों से समझौता नहीं करना चाहिए। बता दें कि रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप के दौरान अधिक कमाल का खेल नहीं दिखाया था। इस मैच में उन्होंने छह पारियों में मात्र 116 रन बनाए थे। उन्होंने 19.33 की औसत से रन बनाए थे। रोहित सिर्फ एक अर्ध शतक ही जड़ने में सफल हुए थे। रोहित शर्मा बल्ले से कमाल नहीं कर सके थे जिसके बाद उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में आ गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.**

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

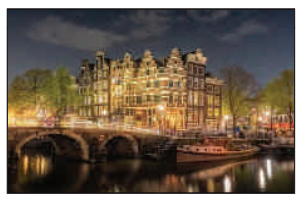

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

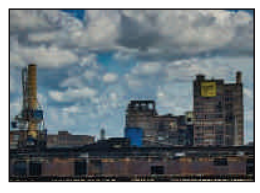

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती हैं और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और **मानव जीवन में काफी समानताएं हैं।** मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से **चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।**

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके **बारे में** काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा **पक्षी जिसके माथे पर** चटक **लाल रंग की कलगी** और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और **मादा मुर्गे को दिखाया गया है।**

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना **ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा** नहीं **रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है।** यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें **कि जेलीफिश की तरह दिखने** वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में **माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के** लिए **माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से** इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए **ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी** के शोधकर्ताओं की टीम ने इस **अद्भुत और रहस्यमय परजीवी** की खोज की है। शोधकर्ताओं के **मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से** ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी **सालमन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव** का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया सालिमनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो **बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा** रह **सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों** ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस **माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें** उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। **हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का** एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर **माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा** था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

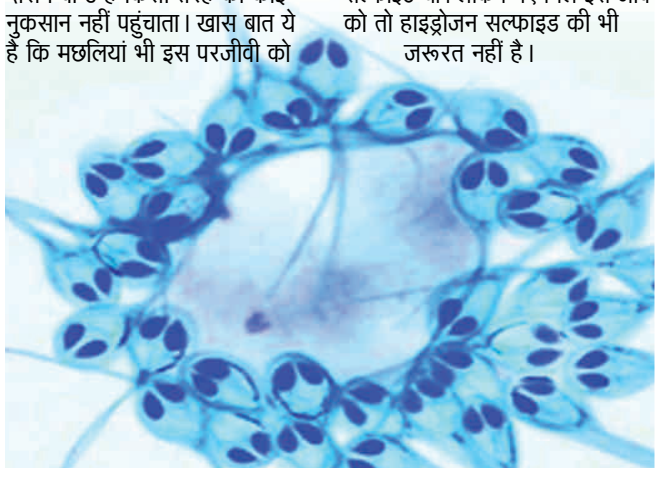

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से **रह रहे थे। एक दिन उस** घने और भयानक **जंगल में एक हाथी आ पहुंचा।** देखने में **पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान।** जब वह **चलता, तो सारे जानवर** उसे छिपकर देखते **थे। उसके चिंघाड़ने से** जंगल में भगदड़ मच **जाती थी। बड़े जानवर छिप** जाते और छोटे **जानवर अपनी मांदों में दुबक** जाते। जंगल **के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।**

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। **उसकी समझ में कुछ नहीं** आ रहा था। वह **तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए** प्यार से आवाज **लगाता था, पर होता उलटा** ही था। उसकी **समझ में नहीं आ रहा था** कि आखिर उसमें **कौन सी बुरी आदत है?** वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम **रहा था। जब वह जंगल के** एक पुराने बरगद **के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था,** बचाओ-बचाओ! **हाथी ने सिर उठाकर देखा,** एक नन्हा सा **चूहा पेड़ की टहनियों में** उलझा चिल्ला रहा **था। हाथी बोला, घबराओ** नहीं, मैं अभी तुम्हें **बचाता हूं। हाथी को देखकर** पहले तो चूहा **कुछ डरा। लेकिन मरता क्या** न करता! चूहा **डर भूल गया और हाथी को** डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी **सूंड ऊपर** उठा दी और चूहा उस पर बैठकर **नीचे उतर** आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग **गया। उसने** पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे **हाथी ने** तो सोचा था कि चूहा ही उसका **दोस्त बनेगा,** पर वह भी भाग गया। अब हाथी **को विश्वास** हो गया कि उसका कोई भी दोस्त **नहीं बन** सकता। यह सोचकर वह रोने **लगा।**

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों **का मधुर** गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा **गाना उसने** इस जंगल में पहले कभी नहीं **सुना था।** देखते ही देखते जंगल के सारे **जानवर हाथी** के चारों तरफ एक घेरा बनाकर **नाचने-गाने** लगे। कोई सीटी बजा रहा था, **तो बंदर ढोल** पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज **में गा रहा** था। हाथी को यह सब एक सपने **की तरह** लग रहा था। हाथी ने हैरानी से **देखा, झुंड** में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे **हाथी ने** बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुम**ने मुझे** बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। **शरीर से चाहे कितने ही बड़े** हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

इजराइल में मनाई गई 26/11 हमले की बरसी, निकाला गया कैंडल मार्च

जेरुसलम। कई इजाराइली नागरिक 2008 के मुंबई आतंकी हमले को 'साझा पीड़ा' मानते हैं और इसे लेकर देश में अभी तक आक्रोश है। लोगों ने इस हमले की बरसी को मनाने के लिए कई आयोजन किए और निर्मम हत्याओं की भर्त्सना की तथा इस नरसंहार की पाकिस्तान में साजिश रचने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भारत में हुए इस हमले की 14 वीं बरसी पर एक दिन पहले से ही इजराइल में भारतीय कैंडल लाइट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके हाथों में तख्तियां एवं बैनर हैं जिनपर इस निर्मम हमले की नृशंसता को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि 26/11 के मुंबई हमले में पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के जिन आतंकवादियों का हाथ था, उन्हें न्याय के शिकंजे में लाया जाए। वर्ष 2008 में 26 नवंबर को मुंबई हमला शुरू हुआ था जो 29 नवंबर, 2008 तक चला था। इस हमले में कई विदेशी नागरिकों समेत 166 लोगों की जान गयी थी तथा 300 से अधिक घायल हुए थे। इस हमले की दुनियाभर में निंदा की गयी थी। भारतीय सुरक्षाबलों के हाथों नौ पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए थे। अजमल कसाब एकमात्र ऐसा आतंकवादी था जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर, 2012 को फांसी पर चढ़ा दिया गया था। इजराइल तेलंगाना एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि सोमा ने कहा, '' जिन आतंकवादियों ने वहशीपन के साथ महिलाओं, बच्चों एवं बेगुनाहों की हत्या की, उनकी पहचान कर उनका सफाया किया जाना चाहिए। दुनिया के देशों को उन राष्ट्रों पर न केवल वित्तीय पाबंदियां लगानी चाहिए बल्कि हर तरह से रोकना चाहिए जो आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं।' इजराइल में रह रहे तेलंगाना के लोगों ने इस नृशंस हमले में मारे गए लोगों की याद में रमात गन में एक कार्यक्रम किया एवं मोमबत्तियां जलायीं। उन्होंने इस हमले में जान गंवाने वाले छह यहूदियों का भी जिक्र किया एवं संकेत दिया कि यह भारत एवं इजराइल के बीच मजबूत रिश्ते को तोड़ने की सोची समझी कोशिश थी।

चीन में 'जीरो कोविड पॉलिसी' खिलाफ टूटा लोगों के सब्र का बांध, लॉकडाउन तोड़ घरों से निकल रहे चीनी

बीजिंग- चीन में 'जीरो कोविड पॉलिसी' की क्रूरता के खिलाफ अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है। प्रदर्शन की चिंगारी दुनिया की सबसे बड़ी iPhone बनाने वाली फॉक्सकॉन फैक्ट्री से निकलकर चीन के बाकी हिस्सों में पहुंच गई है। दक्षिणी चीन के ग्वांग्झाऊ शहर में अनिवार्य लॉकडाउन तोड़कर लोग अपने घरों से निकल रहे हैं और शून्य कोविड नीति के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। लोग ग्वांग्झाऊ सिटी से बीजिंग की तरफ आ रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए हाईवे पर मिट्टी डालकर उसे बंद कर दिया गया है। नए भर्ती किए गए फॉक्सकॉन कर्मचारियों और चाइना पीपल्स पुलिस के बीच उस होटल में 24 नवंबर (रात) से संघर्ष जारी है, जहां कर्मचारियों को क्वारंटाइन किया गया है। श्रमिक चिल्ला रहे हैं, 'पुलिस लोगों को पीट रही हैज्पुलिस ने लोगों को मार डाला। उन अवैध एजेंटों को गिरफ्तार किया जाए' दरअसल, चीन में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक 25 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार चीन में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोनावायरस संक्रमण के 32,943 मामले सामने आए हैं, जो कल की तुलना में 1287 अधिक हैं। कोरोना संक्रमण में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए प्रमुख शहरों में लॉकडाउन की अवधि बढ़ा दी गई है। ग्वांग्झाऊ के 8 जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को 5 दिनों तक अपने-अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं। लोग इस क्रूर लॉकडाउन का सड़कों पर उतरकर विरोध कर रहे हैं। चीन के दक्षिणी शहर ग्वांग्झाऊ और दक्षिण-पश्चिमी चोंगकिंग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हालांकि चेंग्दू, जिनान, लान्चो, जियान और वुहान जैसे शहरों में प्रतिदिन सैकड़ों नए संक्रमण दर्ज किए जा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग ने गुरुवार को 509 लक्षण वाले और 1,139 बिना लक्षण वाले मामलों की तुलना में गुरुवार को 424 लक्षण वाले और 1,436 बिना लक्षण वाले मामले सामने आए हैं। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने बताया कि चीन की आर्थिक राजधानी शंघाई ने शुक्रवार को 9 सिंप्टोमेटिक और 77 एसिंप्टोमेटिक मामले दर्ज किए, जबकि गुरुवार को 9 सिंप्टोमेटिक और 58 एसिंप्टोमेटिक मामले सामने आए थे।

पाकिस्तान : सेना प्रमुख बाजवा की सम्पति बारे जानकारी लीक मामले में 2 अधिकारी निलंबित

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के कर विभाग ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और उनके परिवार के कर के बारे में जानकारी लीक होने के मामले में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। शुक्रवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी। वित्त मंत्री इसहाक डार द्वारा शुरू की गई जांच के बाद यह निर्णय लिया गया। खोजी वेबसाइट 'फैक्ट फोकस' की एक खबर में कहा गया है कि बाजवा और उनके परिवार के सदस्यों के कर संबंधी दस्तावेज ऑनलाइन पोस्ट किए गए थे। वेबसाइट की खबर में आरोप लगाया गया था कि देश के सेना प्रमुख के रूप में उनके छह साल के कार्यकाल में बाजवा और उनके परिवार की संपत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है।

रूस ने अमेरिका व पश्चिमी देशों को दी चेतावनी, कहा- यूक्रेन को 'मदद की चुकानी पड़ेगी कीमत'

रूस के आक्रमणँ रूसी सांसद फ्रेंच ब्राडकास्टर ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के सहयोगी अमेरिका व पश्चिमी देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। रूस के ओर से यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन का साथ देने की बात कही है। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि वह यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा, क्योंकि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है। रूस की स्टेट ड्यूमा सदस्य प्योत्र टालस्टाय ने चेतावनी दी है कि सर्दियों से पहले बिजलीघरों पर हमलों में कोई कमी नहीं आने वाली है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन को 18वी सदी में वापस धकेल दिया जाएगा। यूनाइटेड रशिया पार्टी के एक सदस्य ने कहा है कि यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाएगा। यूक्रेन को 18वीं सदी में वापस धकेल दिया जाएगा। बता दें कि हाल में रूसी सेना की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में कई मिसाइलें दागी गईं थीं। रूसी सेना ने ईरान निर्मित ड्रोनों के जरिए यूक्रेन के ऊर्जा सेक्टर पर जबरदस्त गोलीबारी की थी। रूसी सेना का मकसद यूक्रेन के ऊर्जा सेक्टर को तबाह करना था। इसके पीछे रूस की बड़ी रणनीति थी। रूसी सेना ठंड के मौसम से पहले यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों को समाप्त करना चाहती है, ताकि तापमान शून्य से नीचे गिरने के पर इसकी पावर ग्रिड को तबाह किया जा सके। गौरतलब है कि यूक्रेन जंग के नौ महीने पूरे हो चुके हैं। रूसी सेना इस जंग में यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है, ताकि कीव को घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सके। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी सेना जानबूझकर यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बना रही है। इस हमले में हजारों मासूम नागरिक मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 वर्ष पहले भी सोवियत संघ नीतियों के कारण होलोडोमर अकाल में लाखों यूक्रेनियन भूख से मर गए थे। अब रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध के तहत मार रहा है।

पशु नमूने में सफल परीक्षण ने सार्वभौमिक फ्लू टीके की रणनीति का मार्ग प्रशस्त किया

वाशिंगटन, इन्फ्लूएंजा वायरस के सभी 20 ज्ञात स्वरूपों की रोकथाम के लिए बनाया गया एक प्रयोगात्मक एमआरएनए-आधारित टीका प्रारंभिक परीक्षणों में घातक फ्लू स्वरूपों से व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में कारगर साबित हुआ है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अमेरिका के पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं ने कहा कि यह टीका भविष्य में फ्लू महामारी के खिलाफ एक सामान्य निवारक कदम के रूप में उपयोगी साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार, जानवरों के नमूनों में किए गए परीक्षणों से पता चला है कि जब इन जानवरों को उन फ्लू स्वरूपों के संपर्क में लाया गया, जिनका टीका बनाते समय इस्तेमाल नहीं हुआ था, तो भी इस टीके ने बीमारी के लक्षणों को कम किया और मौत से बचाव किया।

जान के खतरे के बावजूद लॉन्ग मार्च को संबोधित करेंगे इमरान, पाक गृह मंत्री ने बातचीत के लिए किया आमंत्रित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि जानलेवा हमलों के बाद उत्पन्न हुए खतरों के बावजूद अपनी पार्टी द्वारा नियोजित लॉन्ग मार्च को संबोधित करने के लिए शनिवार को रावलपिंडी जाने के लिए दृढ़ हैं और जनता से गैरीसन शहर में पहुंचने का आह्वान किया। इमरान ने इसे देश के लिए एक ÷निर्णायक समय÷ बताया है। खान 3 नवंबर को एक हत्या के प्रयास के दौरान लगी गोली के घाव से उबर रहे हैं, रावलपिंडी में अपने समर्थकों को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का विरोध, एक नए आम चुनाव की मांग लिए ये मार्च ÷पूरी तरह से शांतिपूर्ण÷ होगा।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय खान ने शुक्रवार को कहा कि घायल होने के बावजूद वह राष्ट्र की खातिर रावलपिंडी जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विरोध आंदोलन के लिए जनता से गैरीसन सिटी पहुंचने का आह्वान किया। कल रावलपिंडी जा रहा हूं क्योंकि यह देश में निर्णायक समय है। हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसका कायदे आजम और अल्लामा इकबाल ने सपना देखा था।

क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने एक बार फिर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उनका मानना है कि इससे देश डिफ़ॉल्ट और राजनीतिक उथल-पुथल से बच जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रावलपिंडी में अपने भाषण के दौरान अपनी अगली रणनीति का खुलासा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व उनके और सेना के बीच विवाद चाहते हैं। तमाम कवायदों के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने पाकिस्तान की प्रगति के लिए इमरान को लॉन्ग मार्च स्थगित करने, संसद में लौटने के लिए कहा और बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

चीन के राष्ट्रपति शी ने मूल हितों पर क्यूबा का समर्थन करने का संकल्प लिया

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके क्यूबाई समकक्ष ने एक-दूसरे के कम्युनिस्ट देशों के ''मूल हितों'' का परस्पर समर्थन करने का संकल्प लिया है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कानेल बर्मुडेज से शी ने कहा है कि चीन क्यूबा के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मामलों में समन्वय व सहयोग मजबूत करने की उम्मीद करता है।

चीन सरकार की एक प्रेस विज्ञप्ति में शी के हवाले से कहा गया है कि दोनों देश एक दूसरे की विशेषताओं के साथ समाजवाद के रास्ते पर कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। चीन आमतौर पर मूल हितों को अपने दावे वाले क्षेत्रों, खासतौर पर ताईवान पर नियंत्रण के अलावा देश के आर्थिक एवं राजनीतिक विकास लक्ष्यों के रूप में परिभाषित करता है। हालांकि, चीन सरकार की विज्ञप्ति में कोई विशेष मुद्दा या अन्य देश का उल्लेख नहीं किया गया है। मंगोलिया के राष्ट्रपति उखनागीन खुरेलसुख और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के अगले हफ्ते बीजिंग की यात्रा करने का कार्यक्रम है।

सत्ता पर कब्जे की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया पदों पर नियुक्तियों को सार्वजनिक करेगा

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री द्वारा गोपनीय तरीके से खुद को कई मंत्रालयों में नियुक्त करने के खिलाफ जारी जांच के तहत शुक्रवार को सिफारिश की गई कि सरकार में भरोसे को संरक्षित रखने के लिहाज से इस तरह की सभी नियुक्तियों को भविष्य में सार्वजनिक किया जाए। प्रधानमंत्रीएंथनी अल्बनीस ने कहा कि वह अपनी कैबिनेट से सिफारिश करेंगे कि अगले हफ्ते बैठक के दौरान सेवानिवृत्त न्यायाधीश की सभी सिफारिशों को स्वीकार करे। अल्बनीस ने गत अगस्त में जांच का आदेश दिया था।

अल्बनीस ने यह कदम उस खुलासे के बाद उठाया जिसमें कहा गया है कि मार्च 2000 और मई 2001 के बीच पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए खुद को पांच मंत्रियों की भूमिका के लिए नियुक्त किया था और इसकी जानकारी मौजूदा मंत्रियों को आमतौर पर नहीं थी। सत्ता पर कब्जे की यह असाधारण घटना मॉरिसन के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव गठबंधन की गत मई मेंचुनाव में हार के बाद सामने आई। इसके पहले कंजर्वेटिव गठबंधन सरकार नौ साल तक सत्ता में रही।

उनके इस अभूतपूर्व कदम को ऑस्ट्रेलिया की राजनीति की उस व्यापक परिपाटी के हिस्से के रूप में देखा गया जिसके तहत सत्ता को नेता के कार्यालय में केंद्रित किया जाता है। अल्बनीस ने पूर्व सरकार की गोपनीयता की संस्कृति पर दोषारोपण करते हुए कहा कि इसके कारण इसके नेताओं के पास व्यक्तिगत रूप से सत्ता का असाधारण संकेंद्रण हो गया। उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश वर्जिनिया बेल ने अपनी जांच में सफारिश की है कि मंत्रियों की नियुक्ति से संबंधित सार्वजनिक नोटिस को सार्वजनिक करने के लिए कानून बनाने की जरूरत है।

मॉरिसन अपने वकीलों के माध्यम से जांच में सहयोग कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने निजी तौर पर कोई साक्ष्य नहीं दिया है। फिलहाल प्रतिपक्ष के सांसद के रूप में कार्यरत मॉरिसन ने कहा है कि उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के कारण आपात कदम के तहत स्वास्थ्य, वित्त, राजकोष, संसाधान एवं आवास मामलों के मंत्रालय खुद को आवंटित किये।

अल्बनीस ने कहा, ''हम उस छद्म सरकार पर चमकदार प्रकाश डाल रहे हैं जो अंधेरे में कार्य करने को प्राथमिकता देती है, एक सरकार जो गोपनीयता और छिपाने-ढंकने की संस्कृतिक के तहत काम करती है और जिसने केवल असुविधा के आधार पर संसद की ओर से छानबीन को अहंकारपूर्वक खारिज कर दिया।'' मॉरिसन ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा, ''एक प्रधानमंत्री के रूप में मैं अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन इस प्रकारन करना चाहता था कि ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय हितों और देश की जनता के कल्याण की भलीभांति रक्षा करने समेत इसे आगे बढ़ाया जा सके।''

मॉरिसन ने कहा कि यह सब ऐसी अहम चुनौती के समय समय किया गया जिसे द्वितीय विश्वयुद्ध और महान मंदी के बाद से अब तक नहीं देखा गया था। न्यायाधीश बेल ने पाया कि मॉरिसन को 'डुप्लीकेट' मंत्री बनाना गैर जरूरी था, क्योंकि मूल मंत्री के कोविड-19 के कारण अक्षम होने होने पर एक सक्रिय मंत्री को मिनटों में नियुक्त किया जा सकता था। अल्बनीस ने मॉरिसन के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया क्योंकि मामला अभी अदालत में है।

स्थानीय चुनाव के जरिये बढ़ती शत्रुता के बीच ताइवान का चीन को सीधा संदेश, राष्ट्रपति ने कहा- दुनिया देख रही है...

बीजिंग (एजेंसी)। ताइवान में शनिवार को स्थानीय चुनावों के लिए मतदान शुरू हो गया। राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने चीन की बढ़ती शत्रुता के सामने अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए द्वीप के दृढ़ संकल्प के बारे में दुनिया को एक संदेश देने के रूप में इस चुनाव को प्रजेंट किया है। महापौरों, काउंटी प्रमुखों और स्थानीय पार्षदों के चुनाव स्पष्ट रूप से घरेलू मुद्दों जैसे कि कोविड-19 महामारी और अपराध के बारे में हैं और चुने गए लोगों का चीन नीति पर सीधा कहना नहीं होगा। लेकिन त्साई ने चुनाव को एक स्थानीय मतदान से अधिक होने के रूप में दोहराया है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया देख रही है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के बीच ताइवान अपने लोकतंत्र की रक्षा कैसे करता है, जो द्वीप को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है। त्साई ने समर्थकों से कहा, 'ताइवान मजबूत बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। चीनी अधिनायकवाद का विस्तार हर दिन ताइवान के लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र की निचली रेखा का पालन करने के लिए चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा है कि दुनिया देख रही है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के बीच ताइवान अपने लोकतंत्र की रक्षा कैसे करता है। चीन ने अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइपे की यात्रा पर नाराजगी व्यक्त करने के लिए अगस्त में ताइवान के पास युद्धाभ्यास किया और उसकी सैन्य गतिविधियां जारी रहीं। उन्होंने कहा कि

हम संयुक्त राज्य अमेरिका के करीब होने जापान के साथ मित्रवत होने और मुख्य भूमि के साथ शांति बनाए रखने की वकालत करते हैं। केएमटी के अध्यक्ष एरिक चू ने शुक्रवार देर रात अपने समर्थकों से कहा, ताइवान को शांतिपूर्ण और स्थिर विकास का समृद्ध भविष्य दें। चुनाव चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस के एक महीने बाद हो रहा है, जहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कार्यालय में एक अभूतपूर्व तीसरा कार्यकाल हासिल किया - एक बिंदु त्साई ने अभियान के निशान पर बार-बार बनाया है।

विनाशकारी हमलों के बाद बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटा यूक्रेन

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि जानलेवा हमलों के बाद उत्पन्न हुए खतरों के बावजूद अपनी पार्टी द्वारा नियोजित लॉन्ग मार्च को संबोधित करने के लिए शनिवार को रावलपिंडी जाने के लिए दृढ़ हैं और जनता से गैरीसन शहर में पहुंचने का आह्वान किया। इमरान ने इसे देश के लिए एक ÷निर्णायक समय÷ बताया है। खान 3 नवंबर को एक हत्या के प्रयास के दौरान लगी गोली के घाव से उबर रहे हैं, रावलपिंडी में अपने समर्थकों को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का विरोध, एक नए आम चुनाव की मांग लिए ये मार्च ÷पूरी तरह से शांतिपूर्ण÷ होगा।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय खान ने शुक्रवार को कहा कि घायल होने के बावजूद वह राष्ट्र की खातिर रावलपिंडी जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विरोध आंदोलन के लिए जनता से गैरीसन सिटी पहुंचने का आह्वान किया। कल रावलपिंडी जा रहा हूं क्योंकि यह देश में निर्णायक समय है। हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसका कायदे आजम और अल्लामा इकबाल ने सपना देखा था।

क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने एक बार फिर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। उनका मानना ??है कि इससे देश डिफ़ॉल्ट और राजनीतिक उथल-पुथल से बच जाएगा। उन्होंने कहा कि वह रावलपिंडी में अपने भाषण के दौरान अपनी अगली रणनीति का खुलासा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ तत्व उनके और सेना के बीच विवाद चाहते हैं। तमाम कवायदों के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने पाकिस्तान की प्रगति के लिए इमरान को लॉन्ग मार्च स्थगित करने, संसद में लौटने के लिए कहा और बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

बैन हटने के बाद भी ट्वीट नहीं कर रहे डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क बोले- क्या फर्क पड़ता है, हमने अपनी गलती ठीक कर दी

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप का ट्विटर अकाउंट बहाल हुए कुछ दिन हो चुके हैं, लेकिन कभी इस प्लेटफॉर्म पर बेहद सक्रिय रहे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने अभी तक कुछ ट्वीट नहीं किया है। हालांकि यह एलोन मस्क को परेशान नहीं करता है। नए ट्विटर बॉस ने व्यक्त किया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के खाते को बहाल करना ट्विटर की ओर से एक 'गंभीर गलती' को सुधारने के बारे में है। मस्क ने एक ट्वीट के जवाब में लिखा मैं ट्रम्प के ट्वीट न करने से परेशान नहीं हूं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून या सेवा की शर्तों का कोई उल्लंघन नहीं होने के बावजूद, ट्विटर ने उनके खाते पर प्रतिबंध लगा हुआ था जिसे अब सुधारा गया हैं। एक मौजूदा राष्ट्रपति को ट्विटर से हटाकर अमेरिका के आधे हिस्से के लिए ट्विटर पर सार्वजनिक विश्वास को कम कर दिया गया था। ऐसा करके ट्विटर अपने विश्वास को बनाए रखाना चाहता हैं।

एलोन मस्क ने बहाल किए बैन ट्विटर अकाउंट: सोशल मीडिया मंच ट्विटर के नए मालिक एलोन मस्क ने कहा कि वह निलंबित खातों को ''माफी'' दे रहे हैं। मस्क ने ट्विटर पर एक 'पोल' जारी किया था जिसमें लोगों से उन खातों की

बहाली को लेकर अपनी राय जाहिर करने को कहा गया था जिन्होंने ''कानून नहीं तोड़ा है या किस तरह के 'स्पैम' में लिप्त नहीं थे।'' ऐसे खातों की बहाली के लिए 72 प्रतिशत वोट किए गए। मस्क ने 'पोल' के नतीजों के बाद लिखा, '' लोगों ने अपना फैसला सुना दिया है। अगले सप्ताह से माफी दी जाएगी। लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है।''

पुरानी गलती को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं मस्क: मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का खाता बहाल करते हुए पिछले सप्ताह भी लातिन के इसी मुहावरे ''लोगों की आवाज, भगवान की आवाज है'' का इस्तेमाल किया था। वर्ष 2020 में अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद कथित तौर पर ट्रंप समर्थकों द्वारा अमेरिकी कैपिटल (संसद भवन) में हिंसा किए जाने के कुछ दिन बाद जनवरी 2021 में उनका खाता स्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। खाता बहाल होने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह ट्विटर पर वापसी नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक अपना खाता 'डिलीट' भी नहीं किया है।

हालांकि, ऑनलाइन सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि मस्क के इस फैसले से उत्पीड़न, अभद्र और गलत सूचना के प्रसार में वृद्धि होगी। इस बीच, बृहस्पतिवार को प्रकाशित यूरोपीय संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर ने घृणित सामग्री की समीक्षा करने में अधिक समय लिया और 2021 की तुलना में इस वर्ष ऐसे सामग्री को कम हटाया गया। अध्ययन में शामिल आंकड़े मस्क के ट्विटर का मालिक बनने से पहले के हैं।

ट्रंप ट्वीट क्यों नहीं कर रहे हैं?: 2017 में ट्रम्प ने कहा कि वह ट्विटर के बिना भी अमेरिका के राष्ट्रपति बन सकते हैं। ट्विटर को मुखपत्र के रूप में इस्तेमाल करने वाले ट्रंप को 8.8 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने फॉलो किया। उन्होंने कहा, 'ट्विटर मेरे लिए एक अद्भुत चीज है, क्योंकि मैं इस जगह अपने विचारों को रखता हूं। अगर मेरे पास शब्द निकालने का एक ईमानदार तरीका नहीं होता, तो शायद मैं अभी राष्ट्रपति के रूप में आपसे बात नहीं कर रहा होता।'

वैज्ञानिकों ने समुद्र की सतह से हजारों फुट नीचे काले मूंगे की पांच नयी प्रजातियों का पता लगाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन। (द कन्वरसेशन) रिमोट संचालित एक पनडुब्बी का उपयोग कर मेरे सहकर्मियों और मैंने आस्ट्रेलिया तट के पास ग्रेट बैरियर रीफ और कोरल सागर में 2,500 फुट (760मीटर) की गहराई में काले मूंगे की पांच प्रजातियों की खोज की है। काले मूंगे उथले जल से लेकर 26,000 फुट (8,000) मीटर की गहराई तक बड़े होते पाये जाते हैं और कुछ मूंगे (प्रवाल) का जीवन काल 4,000 वर्षों से अधिक तक होता है। इनमें से कई मूंगे पंख और झाड़ियों की तरह दिखते हैं, जबकि अन्य गुच्छे जैसे नजर आते हैं।

उथले जल में पाई जाने वाले अन्य मूंगों के उलट वे ऊर्जा प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी और प्रकाश संश्लेषण पर निर्भर करते हैं। मैं और आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की एक टीम ने 2019 और 2020 में स्मिद ओशन इंस्टीट्यूट के दूरस्थ संचालित यान-सुबास्टिन नाम की एक पनडुब्बी- का इस्तेमाल ग्रेट बैरियर रीफ और कोरल सागर का अन्वेषण करने के लिए किया। हमारा लक्ष्य 130 फुट से लेकर 6,000 फुट तक की गहराई में पाये जाने वाले मूंगे के नमूने एकत्र करना था। पूर्व में, इस क्षेत्र के गहरे हिस्से में मूंगे उन पद्धतियों का इस्तेमाल कर एकत्र किये गये जिनमें वे अक्सर नष्ट हो जाते थे। हमने गहरे जल की पारिस्थितिकी में एक रोबोट उतारा, जिससे हमारी टीम गहरे समुद्र में मूंगे को उनके प्राकृतिक अधिवास में एकत्र कर पाई।

31 बार गोता लगाने के दौरान मेरे सहकर्मियों और मैंने काले मूंगे की 60 प्रजातियां एकत्र की। हमने रोबोट का इस्तेमाल कर मूंगे को सावधानीपूर्वक रेतीली सतह या प्रवाल भित्ति से अलग किया, मूंगे को एक दबाव वाले, तापमान नियंत्रित भंडारण बक्से में रखा और उन्हें सतह तक लाया। हम मूंगे की भौतिक विशेषताओं की पड़ताल करेंगे और उनके डीएनए का अनुक्रमण करेंगे। मूंगे की कई प्रजातियों में पांच नयी प्रजातियां शामिल हैं जिनमें एक को हमने 2,500 फुट से अधिक की गहराई में बड़ा होते हुए पाया। हालिया शोध ने गहरे समुद्र के बारे में यह जानकारी दी है कि उनमें जीवविज्ञानियों के अनुमान से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं।

विश्व में काले मूंगे की सिर्फ 300 ज्ञात प्रजातियां पाये जाने की धारणा के बीच एक सामान्य स्थान पर पांच नयी प्रजातियों का पाया जाना हमारी टीम के लिए बहुत हैरान करने वाला उत्साहजनक था। कई काले मूंगे आभूषण के लिए अवैध दोहन किये जाने के कारण खतरे का सामना कर रहे हैं। इन समृद्ध अधिवास के स्मार्ट संरक्षण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से शोधकर्ताओं के लिए यह जरूरी है कि इन गहरे स्थानों पर किस तरह की प्रजातियां रहती हैं और प्रत्येक प्रजाति की भोगौलिक श्रृंखला क्या है। जब भी वैज्ञानिकों ने गहरे

सागर का अन्वेषण किया, उन्होंने नयी प्रजातियों का पता लगाया। जीवविज्ञानी जितनी अधिक संख्या में प्रजातियें का पता लगाएंगे हम उनके उदविकास के इतिहास को समझने में उतने सक्षम होंगे। इसमें यह भी शामिल है कि उन्होंने कम से कम चारबार विलुप्ति का कैसे सामना किया। मेरे सहकर्मियों और मेरे लिए अगला कदम समुद्र के तल का अन्वेषण जारी रखना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में ट्रेन इंजन के पुर्जे चोरी होने के मामले में 95 फीसदी सामान बरामद होने का दावा

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार के बेगूसराय जिले के बरौनी रेलवे यार्ड से कई डीजल लोकोमोटिव इंजन के पुर्जे कथित तौर पर चोरी होने की खबर मीडिया में आने के एक दिन बाद शनिवार को रेलवे अधिकारियों ने दावा किया कि चोरी किए गए लगभग 95 फीसदी सामान अब तक बरामद किए जा चुके हैं। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) बीरेंद्र कुमार ने शनिवार को बातचीत में कहा कि उक्त मामले में अब तक कम से कम सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ स्थानों से चोरी किए गए रेलवे के सामान का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से चोरी हुए डीजल इंजनों के ट्रैक्शन मोटर्स से महंगे तांबे के केबल चुरा लिए। जोन में रेलवे खंडों के विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप उपयोग में नहीं होने के कारण कई पुराने डीजल इंजन को शेड में रखा गया है। सीपीआरओ ने कहा कि इन इंजन को स्क्रैप के रूप में रखा गया था, क्योंकि लगभग 90 प्रतिशत रेलवे खंड का विद्युतीकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि इन इंजन का गैर डीजल क्षेत्रों में बहुत कम उपयोग किया जाता है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि चोरों ने इंजन के केवल भारी हिस्से चुराए, पूरे इंजन को नहीं (जो मानवीय रूप से संभव नहीं है) जैसा कि कुछ मीडिया खबरों में बताया गया है। लेकिन सीपीआरओ ने यह नहीं बताया कि शेड में खड़े कितने इंजन में चोरी की गई। बीरेंद्र कुमार ने भी स्पष्ट किया कि चोरों ने यार्ड के लिए सुरंग नहीं खोदी थी जैसा कि कुछ मीडिया हाउस की खबरों में कहा गया था। उन्होंने संभावना जताई कि टूटी चहारदीवारी को फांदकर चोर यार्ड में प्रवेश किए होंगे। यह भी आशंका जताई जा रही है कि वे (चोर) चहारदीवारी के निचले हिस्से को तोड़कर यार्ड में घुसे होंगे। फिलहाल यार्ड के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बहुत जल्द और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। पिछले सप्ताह बरौनी थाने में गरहरा यार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए डीजल इंजन की चोरी का मामला दर्ज किया गया था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

कश्मीर में फ़ारसी भाषा को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के तहत लगाई गई अनूठी प्रदर्शनी

जम्मू। कश्मीर में फ़ारसी भाषा को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के तहत हाल ही में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इंफोटेक कश्मीर और हेल्प फाउंडेशन की ओर से संयुक्त रूप से किये गये इस आयोजन में 20वीं सदी के प्रसिद्ध फारसी लेखक और कवि ख्वाजा मुहम्मद अमीन दरब की दुर्लभ पांडुलिपियों के अलावा कश्मीर संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण चीजें प्रदर्शित की गयीं थीं। इस प्रदर्शनी में ख्वाजा मुहम्मद अमीन दरब द्वारा लिखित 11 पुस्तकों सहित लगभग 73 दुर्लभ पांडुलिपियों को प्रदर्शन के लिए रखा गया। हम आपको बता दें कि इतिहास में उल्लेख मिलता है कि 14वीं से 19वीं शताब्दी तक कश्मीर में प्रशासन की भाषा के रूप में फारसी को महत्व दिया गया और उस समय तमाम लेखन फारसी में लिखे गए। इसलिए ईरान उपक्षेत्र कहे जाने वाले कश्मीर में इस अनूठी प्रदर्शनी का आयोजन अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है। इस प्रदर्शनी में नील आर्मस्ट्रांग के चंद्र अवतरण का कालक्रम तो प्रदर्शित किया ही गया साथ ही 1923 में राजगद्दी पर बैठने पर डोगरा महाराजा हरि सिंह को श्रीनगर के व्यापारियों का बधाई संदेश भी दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी के संयोजक सलीम बेग का कहना है कि इन दुर्लभ पांडुलिपियों को जन-जन तक पहुँचाया जाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी इस महान इतिहास से परिचित हो सके और उस पर गर्व कर सके। इस प्रदर्शनी के दौरान एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन पर प्रभावशाली से बातचीत करते हुए छात्रों ने कहा कि फारसी भाषा के बारे में हमें जानकर बहुत अच्छा लगा और कई नई चीजें पता लगीं।

मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के 14 साल पूरे होने पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई। 26/11 मुंबई आतंकी हमले की 14वीं बरसी पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस गेटवे ऑफ इंडिया और ताज होटल के बाहर श्रद्धांजलि देने वालों में शामिल हुए। इसके अलावा सांसद सुप्रिया सुले ने भी मुंबई आतंकी हमला की 14वीं बरसी पर मुंबई में तुकाराम ओंबले स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की, जिन्होंने 14 साल पहले 26 नवंबर को शहर पर हमला करने वाले आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय के परिसर में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री दीपक केसरकर, मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव, राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ, मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नवंबर 2008 में हुए इन हमलों में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 10 पाकिस्तानी आतंकवादी 26 नवंबर, 2008 को समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उनके हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 मारे गए थे तथा कई अन्य लोग घायल हुए थे। इसके अलावा करोड़ों रुपये की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। यह हमला 26 नवंबर को शुरू हुआ था और 29 नवंबर तक चला था। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट, ताजमहल पैलेस एंड टॉवर, लियोपोल्ड कैफे, कामा अस्पताल, नरीमन सामुदायिक केंद्र जैसे स्थानों को निशाना बनाया गया था। अजमल कसाब एकमात्र आतंकवादी था जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर, 2012 को फांसी दे दी गई थी।

विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में बनर्जी से शुभेंदु ने की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों के बाद पहली बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच शुक्रवार को ''शिष्टाचार भेंट'' हुई। विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री के कक्ष में हुई इस मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलबाजियां शुरू हो गयी हैं। बाद में सदन में संविधान दिवस पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक समय उन्हें (शुभेंदु को) भाई की तरह मानती थीं। दोनों के बीच 2020 के अंत से ही अनबन शुरू हो गयी थी, जब अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से नाता तोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का

दामन थाम लिया था तथा विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम में टीएमसी सुप्रीमो बनर्जी को हराया था। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब अधिकारी ने शिकायत की कि उनका नाम विधानसभा में संविधान दिवस कार्यक्रम के निमंत्रण पत्र में शामिल नहीं किया गया है। भाजपा नेता ने यह भी कहा था कि वह इस कार्यक्रम का बहिष्कार करेंगे। दोपहर में भोजनावकाश के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद नंदीग्राम के विधायक अधिकारी को भाजपा नेताओं मनोज तिग्गा और अग्निमित्रा पॉल के साथ मुख्यमंत्री के कक्ष में प्रवेश करते देखा गया। बैठक के बाद बनर्जी ने कहा, ''मैंने शुभेंदु को चाय के लिए आमंत्रित किया था।'' अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''यह सिर्फ एक शिष्टाचार मुलाकात थी। इसका कोई और निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए। मैंने चाय नहीं पी।'' कांग्रेस नेता कमुरजान चौधरी ने शिष्टाचार मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, ''दीदी-मोदी पैच-अप'' की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, ''केंद्र ने कल प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना के लिए धन जारी किया और बनर्जी पांच दिसंबर को मोदी से मिलने वाली हैं। आज मुख्यमंत्री ने शुभेंदु से मुलाकात की। ये सभी इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि 'दीदी-मोदी पैच-अप' की प्रक्रिया चल रही है।'' मार्क्सवादी कम्युनिस्ट माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए कहा, ''आज की बैठक से यह साफ हो गया है कि तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सहमति है।

गुजरात चुनाव में भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत, बड़े नेताओं ने तीन सप्ताह में 150 से अधिक सभाएं कीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य विधानसभा के पिछले चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन किया था और शायद इसी से सबक लेते हुए उसने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राज्य में पहले चरण के मतदान से पहले और पिछले 20 दिनों में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित आधा दर्जन मुख्यमंत्री और अन्य केंद्रीय नेता लगभग 150 छोटी-बड़ी चुनावी जनसभाएं कर चुके हैं। इनमें तीन दर्जन से अधिक जनसभाएं तो सिर्फ मोदी और शाह ने संबोधित की हैं। इन दोनों के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री और जाति व क्षेत्र विशेष से नाता रखने वाले नेता भी राज्य के धुआंधार दौरे पर हैं। चुनावी रणनीति से जुड़े भाजपा के एक नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री आगामी रविवार को खेड़ा, नेतरांग और सूरत में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे तथा पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इसके अगले दिन वह चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, उनकी सभाएं पलटाना, अंजार, जामनगर और राजकोट में भी प्रस्तावित हैं। शाह अमरेली, भावनगर, वड़ोदरा और अहमदाबाद की विभिन्न सीट पर प्रचार करने के बाद अन्य क्षेत्रों में प्रचार अभियान का मोर्चा संभालेंगे जबकि नड्डा पार्टी का संकल्प पत्र जारी होने के बाद हिम्मतनगर में रोड शो करेंगे।

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना आठ दिसंबर को की जाएगी। पहले चरण में कच्छ, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर-सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड़ जिलों की 89 सीट पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 788 प्रत्याशी मैदान में हैं। निर्वाचन आयोग ने तीन नवंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी और इसके साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण गुजरात के आदिवासी बहुल वलसाड जिले की कपराड़ा से छह नवंबर को भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज किया था। अगले दिन मोदी ने सोमनाथ में पूजा-अर्चना करने के बाद वेरावल, धोराजी, अमरेली और बोताड़ में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। दिन भर रैली करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी की थी। मोदी ने इसके अगले दिन तीन चुनावी सभाएं कीं। उन्होंने पहली सभा सुरेंद्रनगर में, दूसरी जंबूसार और तीसरी नवसारी में की। प्रधानमंत्री ने 23 और 24 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वड़ोदरा, भावनगर, पालनपुर मोडासा, दहेगाम और बावला में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री अपनी सभाओं में ज्यादातर समय भाजपा शासन में राज्य में किए गए विकास कार्यों को रेखांकित करते हैं और साथ ही ''डबल इंजन'' की सरकार होने के फायदे भी गिनाते हैं। केंद्र व राज्य में एक ही पार्टी की सरकार को भाजपा ''डबल इंजन'' की सरकार कहकर पुकारती है।

प्रधानमंत्री सहित अन्य भाजपा नेता इसे मुद्दा बनाते हुए हर चुनावी जनसभा में उठा रहे हैं। हाल ही में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि गुजरात का यह चुनाव न तो विधायक और न ही सरकार चुनने को लेकर है, बल्कि यह अगले 25 साल के लिए राज्य की किस्मत तय करने को लेकर है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र और गुजरात की सरकारों ने राज्य में विकास के बहुत सारे काम किए हैं लेकिन अब समय ''लंबी छलांग'' लगाने का है। भाजपा के नेता अपनी चुनावी जनसभाओं में विकास के मामले में गुजरात को सबसे अग्रणी राज्य बता रहे हैं और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को दे रहे हैं। वे प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस और आक्रामक तरीके से चुनाव लड़ रही दिल्ली व पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधने का कोई मौका भी नहीं गंवा रहे हैं। गुजरात में मोदी के बाद सबसे बड़े स्टार प्रचारक की भूमिका में अमित शाह दिख रहे हैं। वह भी अब तक डेढ़ दर्जन के करीब चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर चुके हैं। उन्होंने नन्दोड सहित कुछ क्षेत्रों में रोड शो भी किए हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शुमार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अब तक गुजरात में चुनाव प्रचार से दूर रहे हैं।

हम चीन से 1962 युद्ध हार चुके हैं, यह बात भूले नहीं हैं, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा- हमें ताकत बढ़ानी होगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)। 26/11 मुंबई हमले पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि इतने वर्षों बाद भी जिन लोगों ने मुंबई हमले की योजना बनाई थी, उन्हें सजा नहीं मिली है। यह ऐसा मुद्दा है जिसे हम अत्यधिक महत्व देते हैं। हम बहुत से ऐसे देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जिनके नागरिकों ने इस आतंकी हमले में जान गंवाई हैं। हमने दो विशेष मित्रों और पड़ोसियों के रूप में भूटान के साथ भारत के द्विपक्षीय सहयोग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है।

1962 के युद्ध को हम नहीं भूले: चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हमारा निकटतम पड़ोसी है। लेकिन उसके साथ हमारा एक कटु इतिहास रहा है। वो इतिहास 1950 के दशक और पाकिस्तान के साथ चीन के संबंधों तक जाता है। जहां तक सुरक्षा से संबंधित चिंताओं की बात है तो इससे निपटने का सही तरीका ये है कि जरूरत के अनुसार हम मजबूत और दृढ़ रहे। हम चीन के साथ 1962 का युद्ध हार चुके हैं। ये बात हमें प्रभावित करना जारी रखे हुए है। चीन ने हमसे बरसों पहले ही आर्थिक सुधार शुरू कर दिया था। हमारे देश में कई साल बाद आर्थिक सुधार शुरू किया गया।

पीएसएलवी-सी54 रॉकेट के लॉन्च पर विदेश मंत्री ने कहा कि डॉ. एस जयशंकर, ओशनसैट -3 और 9 नैनोसैटेलाइट ले जा रहे हैं, जिसमें भूटान का एक उपग्रह भी शामिल है। हमने दो विशेष मित्रों और पड़ोसियों के रूप में भूटान के साथ भारत के द्विपक्षीय सहयोग में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। इसरो और भूटान की ओर से अंतरिक्ष इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की समर्पित टीम के सहयोगात्मक प्रयासों का आज भूटान के इस उपग्रह के प्रक्षेपण में समापन हुआ है।

समान नागरिक संहिता लागू करने पर दृढ़ता से विचार कर रही है कर्नाटक सरकार : मुख्यमंत्री बोम्मई

बेंगलुरु/शिवमोगा (कर्नाटक) (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा है कि उनकी सरकार समानता सुनिश्चित करने के लिए राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर 'गंभीरता' से विचार कर रही है। बोम्मई ने भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर राज्य की राजधानी बेंगलुरु में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'उनकी सरकार यूसीसी लागू करने पर बहुत गंभीरता से विचार कर रही है, क्योंकि यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के मुख्य घोषणापत्र का हिस्सा था।'

बोम्मई के अनुसार, राज्य सरकार यूसीसी को लागू करने के लिए विभिन्न राज्यों में गठित विभिन्न समितियों पर विचार कर रही है, ताकि इस पर कोई निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं का अध्ययन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को शिवमोगा में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि संविधान की प्रस्तावना समानता और बंधुत्व की बात करती है। यूसीसी लागू करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा, '..हम दीनदयाल उपाध्याय के समय से समान नागरिक संहिता के बारे में बात कर रहे हैं। देश में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर इस पर गंभीर विचार चल रहा है। सही समय आने पर इसे लागू करने का भी इरादा है।' उन्होंने कहा, '...हम यह भी चर्चा कर रहे हैं कि इसे अपने राज्य में कैसे (लागू) किया जाए।' बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार इसे लागू करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी। बोम्मई ने धर्मांतरण विरोधी कानून पर कहा कि कई लोगों ने इसे गैर-संवैधानिक करार दिया, लेकिन अब सर्वोच्च न्यायालय ने एक आदेश पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि जबरन धर्म-परिवर्तन एक अपराध है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का दृढ़ विश्वास है कि श्रद्धालुओं को मंदिरों का प्रबंधन करना चाहिए तथा आने वाले दिनों में इस दिशा में प्रावधान किये जाएंगे।

भारत जोड़ो यात्रा : दिग्विजय सिंह जमीन पर गिरे, कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की सड़कों को जिम्मेदार ठहरायो

मनिहार (मध्यप्रदेश)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शनिवार को सड़क किनारे के एक रेस्तरां की ओर जाते वक्त भीड़ के बीच जमीन पर गिर पड़े। हालांकि, चश्मदीदों के मुताबिक उन्हें चोट नहीं आई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें सहारा देकर फौरन उठा लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस ने सिंह के जमीन पर गिरने के लिए खराब सड़कों को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा। उधर, भाजपा का दावा है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की धक्का-मुक्की के कारण सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ऐसे हादसों का शिकार होना पड़ रहा है। चश्मदीदों ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ से घिरे सिंह उस वक्त जमीन पर गिर पड़े, जब वह चाय काल के दौरान बड़वाह के पास सड़क किनारे के एक रेस्तरां में जा रहे थे। घटना के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा, दिग्विजय सिंह भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अब तक चार बार जमीन पर गिर चुके हैं। हालांकि, मध्यप्रदेश में वह पहली बार गिरे हैं और इसका कारण राज्य की खराब सड़कें भी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक पुराने बयान का हवाला दिया जिसमें चौहान ने कहा था कि मध्यप्रदेश की सड़कें अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी की सड़कों से बेहतर हैं। रमेश ने कहा, मध्यप्रदेश की सड़कें वॉशिंगटन डीसी से बेहतर नहीं, बल्कि हत्यारी सड़कें हैं। खराब सड़कों के कारण मैं राज्य में खुद तीन बार गिरते-गिरते बचा हूँ। उधर, भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने दिग्विजय सिंह के जमीन पर गिरने का वीडियो ट्वीट किया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अनुशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कथित धक्का-मुक्की के चलते सिंह जैसे वरिष्ठ नेता भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जमीन पर गिर रहे हैं।

आरएसएस और भाजपा को मौजूदा संविधान पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनिहार (मध्य प्रदेश)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र पर संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मौजूदा संविधान पर जरा भी भरोसा नहीं है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मध्य प्रदेश के खरगोन जिला स्थित मनिहार में संवाददाताओं से कहा, संघ और भाजपा को मौजूदा संविधान पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। आज वे लोग ही संविधान दिवस मनाने का पाखंड कर रहे हैं, जिनकी सरकार द्वारा संविधान की उपेक्षा और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस विचारधारा से ताल्लुक रखते हैं, देश की आजादी के बाद संविधान के निर्माण में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद संघ और हिंदू महासभा संविधान के खिलाफ थे और उन्होंने संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के डॉ. भीमराव आम्बेडकर की जन्मस्थली महू पहुंचने से पहले रमेश ने कहा कि आम्बेडकर हालांकि कांग्रेस के नेता नहीं थे, लेकिन उन्होंने संविधान का मसौदा पारित कराने का श्रेय कांग्रेस को दिया था।

कश्मीर के राजनीतिक दलों का कहना है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी जानी चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के एक दिन बाद, कश्मीर में राजनीतिक दलों ने शनिवार को कहा कि वे नए मतदाताओं को जोड़ने के बारे में नयी सूची में विवरण का अध्ययन कर रहे हैं तथा निर्वाचन आयोग को अब केंद्र शासित प्रदेश के लिए विधानसभा चुनावों की घोषणा कर देनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर की अंतिम मतदाता सूची शुक्रवार को प्रकाशित की गयी जिसमें 7.72 लाख से अधिक मतदाताओं की नयी प्रविष्टि की गयी है। जम्मू और कश्मीर के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल सलगोत्रा ने कहा कि सूची में 42,91,687 पुरुष, 40,67,900 महिलाएं और 184 तृतीय लिंगी सहित कुल 83,59,771 मतदाता हैं।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि करीब सात लाख मतदाता जोड़े गए हैं और पार्टी को यह देखना होगा कि उनमें से कितने मतदाता हैं जो पिछले संशोधन से अब तक 18 साल के हो गए हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हम निर्वाचन क्षेत्रवार इसके विवरण का अध्ययन कर रहे हैं।' सादिक ने कहा, हालांकि, अब जब पूरी प्रक्रिया खत्म हो गई है, पार्टी को उम्मीद है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बारे में बात करेगा। उन्होंने कहा, 'जम्मू और कश्मीर के लोगों को एक प्रतिनिधि, उत्तरदायी सरकार से कब तक वंचित रखा जाना चाहिए? इसलिए, यह सबसे महत्वपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग को सामने आना चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे कितनी जल्दी चुनाव कराएंगे।'

अंतिम मतदाता सूची के जारी होने के साथ ही सादिक ने यह उम्मीद भी जताई कि अब 25 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने के बारे में भ्रम और परिणामी आशंकाओं को दूर किया जाएगा, जैसा कि जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन सीईओ हृदेश कुमार ने अगस्त में एक प्रेस वार्ता में कहा था। उन्होंने कहा, 'हम यह भी उम्मीद करते हैं कि भ्रम और लोगों की आशंकाओं पर ध्यान दिया जाएगा।' पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा कि इंतजार करना और देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये नए मतदाता कौन हैं। पीडीपी के मुख्य प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने कहा, ÷मतदाता सूची में शमिल लोगों में से ऐसे कितने लोग हैं जो राज्य के निवासी हैं और कितने लोग हैं जिन्होंने अधिवास प्रमाण पत्र हासिल किया है। ये विवरण अभी सामने आना बाकी है। यह देखना बहुत महत्वपूर्ण होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात बलों की अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। सेना के कमांडर ने एलओसी पर सुरक्षा बलों की अभियान संबंधी तैयारी और मजबूत घुसपैठ रोधी दस्ते पर भरोसा जताया। सेना के उत्तरी कमान ने ट्विटर पर लिखा, 'लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, आर्मी कमांडर एनसी ने उरी में एलओसी के साथ अग्रिम इलाकों का दौरा किया, अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की, सभी रैंक के अधिकारियों के साथ बातचीत की और तैयारी और मजबूत घुसपैठ रोधी दस्ते पर भरोसा जताया।' लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज के सीमावर्ती क्षेत्रों में अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने चिनार कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला के साथ शुक्रवार को कोर जेड में अग्रिम इलाकों का दौरा किया, जहां उन्हें स्थानीय कमांडरों ने सुरक्षा स्थिति और परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

कोई भी व्यक्ति सत्ता में हमेशा नहीं रहता है, सबक सिखाने से जुड़ी शाह की टिप्पणी पर ओवैसी ने का पलटवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति हमेशा सत्ता में नहीं रहता है। ओवैसी ने शाह पर ''सत्ता के नशे में चूर होने'' का भी आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि शाह ने शुक्रवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि गुजरात में पहले असामाजिक तत्व हिंसा में लिप्त होते थे, लेकिन 2002 में 'सबक सिखाने' के बाद अपराधियों ने ऐसी गतिविधियां बंद कर दी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में 'स्थायी शांति' कायम की।

गुजरात में फरवरी, 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। शाह की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद, ओवैसी ने अहमदाबाद के मुस्लिम बहुल जुहापुरा इलाके में शुक्रवार शाम एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं ने यह सबक सिखाया कि आप ''बिलकिस बानो के बलात्कारियों को छुड़वा देंगे''। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, ''मैं आपसे कहना चाहूंगा कि 2002 में आपने यह सबक सिखाया कि आप बिलकिस बानो के बलात्कारियों को छुड़वा देंगे; आपने सबक सिखाया कि आप बिलकिस बानो के सामने उसके तीन साल के बच्चे की हत्या करने वालों को छुड़वा देंगे।'' उन्होंने कहा, ''इस सबक के साथ, आपने सिखाया कि एहसान जाफरी की हत्या की जाएगी। आपने गुलबर्ग सोसाइटी और बेस्ट बेकरी का सबक सिखाया।''

उन्होंने कहा कि गोधरा बाद के दंगों में कांग्रेस के पूर्व सांसद जाफरी सहित कई मुसलमानों की हत्या कर दी गई। उल्लेखनीय है कि 2002 के गोधरा घटना बाद के बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे सभी 11 दोषी इस साल 15 अगस्त को गोधरा उप जेल से बाहर आ गये। दरअसल, गुजरात सरकार ने सजा में कटौती की अपनी नीति के तहत उनकी रिहाई की अनुमति दी थी। ओवैसी ने कहा कि किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि सत्ता हमेशा नहीं रहती है। हैदराबाद के सांसद ने कहा, ''आप सबक सिखाने की बात करते हैं, लेकिन सत्ता में मौजूद लोग भूल गये हैं कि सत्ता में कोई व्यक्ति हमेशा नहीं रहता है...कोई व्यक्ति इसमें हमेशा नहीं रहेगा, किसी न किसी दिन यह छिन जाएगी। सत्ता के नशे में चूर गृह मंत्री सबक सिखाने की बात कर रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''आपने यह सबक सिखाया है कि पूरे देश को कैसे बदनाम किया जाए? अमित शाह, आपने किस तरह का सबक सिखाया था, जिसने दिल्ली में दंगे कराये।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वाराणसी में गंगा में नाव पलटी

34 दक्षिण भारतीय श्रद्धालु नौकायन करने निकले थे, सभी का रेस्क्यू, 2 हॉस्पिटल भेजे गए

वाराणसी। आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी से वाराणसी आए 34 श्रद्धालुओं की नाव शनिवार की सुबह शीतला घाट के सामने गंगा में पलट गई। नाव सवार श्रद्धालु डूबने लगे तो आसपास मौजूद नाविकों ने गंगा में छलांग लगा कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। दो लोगों को कुछ दिक्कत महसूस हुई तो उन्हें कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, हादसे के बाद नाविक भाग निकला है। दशाश्वमेध थाने की पुलिस उसकी तलाश कर रही है। लखनऊ से आए राजेश तिवारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश से आए 34 श्रद्धालु केदार घाट से नाव पर सवार हुए थे। सभी लोगों को मणिकर्णिका घाट पर जाकर धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न करना था। उन्होंने कहा कि मैं घटना का प्रत्यक्षदर्शी हूं और शीतला घाट के सामने उस पार गंगा में नहा रहा था। नाव में पानी भर गया था और वह पलटी तो नाविक उससे छलांग लगा कर भाग निकला। हम लोग, आसपास मौजूद नाविक और जल पुलिस के कर्मी घटनास्थल की ओर पानी में दौड़े। सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राजेश तिवारी ने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा की कृपा के साथ ही स्थानीय लोगों के सहयोग से कोई नुकसान नहीं हुआ है। एक महिला श्रद्धालु पी विजया और पुरुष श्रद्धालु पी आदिनारायण हादसे से बुरी तरह से डर गए थे। दोनों लोगों को मंडलीय अस्पताल ले जाया गया है। दोनों के बेहतर उपचार के लिए उन्हें बीएचयू हॉस्पिटल रेफर कर दिया

गया। नाव हादसे की सूचना पाकर फोर्स के साथ घटनास्थल पर एसीपी दशाश्वमेध अवधेश कुमार पांडेय पहुंचे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनका हालचाल पूछा। बताया कि जो प्रारंभिक जानकारी मिली है उसके अनुसार नाव केदार घाट के रहने वाले अमित साहनी की है। उसकी तलाश कराई जा रही है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसीपी दशाश्वमेध ने बताया कि प्रथम दृष्टया जो जानकारी मिली है उसके अनुसार नाव पुरानी थी। उसका नीचे का पटरा फट गया था या टूट गया था। उसी वजह से नाव में पानी भर गया तो वह असंतुलित होकर पलट गई। जल पुलिस और स्थानीय नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। जो भी श्रद्धालु नाव पर सवार थे उनका काशी-तमिल संगमम् से कोई सरोकार नहीं है। आज संयोग अच्छा था कि गंगा में नाव पलटी और सभी श्रद्धालु सुरक्षित बचा लिए गए। जल पुलिस और दशाश्वमेध थाने की पुलिस की ओर से नाविकों को लगातार आगाह किया जाता है कि वह अपने नाव में क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। लाइफ जैकेट और ट्यूब जैसे जीवन रक्षक उपकरण नाव में जरूर रखें। इसके बावजूद नाविक कम समय में ज्यादा कमाई के चक्कर में हमेशा मनमानी करते हैं।

काशी-तमिल संगमम् के मद्देनजर नाविकों को पुलिस और प्रशासन की ओर से हाल ही में चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसके बावजूद आज सुबह नाविक ने हद दर्जे की लापरवाही की।

माथना ग्राम सेवा सहकारी समिति के चुनाव हुए संपन्न

संवाददाता

बारां। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती माथना ग्राम सेवा सहकारी समिति के 12 संचालक मंडल सदस्यों के चुनाव माथना ग्राम सेवा सहकारी समिति में संपन्न हुए। जिसमें पूर्व प्रधान अजीत सिंह माथनी के नेतृत्व में सभी 12 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। ग्राम सेवा सहकारी समिति माथना के व्यवस्थापक हुकम सिंह ने बताया कि सदस्य अजीत सिंह माथनी, अरविन्द मीणा, विशाल नागर, रामगोपाल मेहता, शंभूदयाल सेन, रामस्वरूप सेन, राजेश कुमारी शर्मा, गुलाब बाई नागर, कालूलाल सुमन, नंदलाल मीणा, बद्रीलाल नायक निर्विरोध नवनिर्वाचित हुए। ग्रामवासियों व समिति के सदस्यों ने अजीत सिंह माथनी के नेतृत्व में विश्वास जताया है। ग्रामवासियों ने बताया कि जब से अजीत सिंह माथनी समिति के अध्यक्ष बने है तब से समिति में खाद, बीज की गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं रही हैं एवं गांव के किसानों को कभी खाद की कमी नहीं आई है। न हमें खाद के लिए लाइनों में लगना पडता है। माथनी ने बताया कि हमारी समिति में 1990 के बाद से हमेंशा संचालक मंडल निर्विरोध चुनते आ रहे हैं। माथनी ने समिति के सभी सदस्यों को व ग्रामवासियों का आभार जताते हुए कहा कि गांव के किसानों के लिए मैं हमेशा काम के लिए तत्पर रहता आया हूं और आगे भी किसी प्रकार की कमी सहकारी समिति में नहीं आने दी जाएगी। गांव के सभी लोगों के सहयोग से हमारी समिति लगातार उंचाईयों की ओर बढती जा रही है, जिसके लिए मैं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करता हूं।

जिम्स में फ्रेशर्स पार्टी का किया गया आयोजन

संवाददाता

गाजियाबाद। नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए जिम्स नोएडा के नए कैंपस में संस्कृति कल्चरल क्लब के द्वारा फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर बीएजेएमसी, बीकॉम, बीसीए और बीबीए कोर्सेज के कर 250 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पार्टी में विद्यार्थियों ने ग्रुप डांस, सोलो डांस, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट, स्टैंड अप कॉमेडी, रैप इत्यादि प्रस्तुतियां देकर चार चांद लगाए। विद्यार्थियों ने फ्रेशर्स पार्टी में मोहक परिधानों में रैम्प वॉक की और अपनी अनूठी कला और गीत संगीत नृत्य आदि कला से सब को प्रभावित किया। इन सब चुनौतियों को पार करते हुए। ऋषभ पंत और महक बॉन्थियाल ने मिस्टर एंड मिस फ्रेशर्स का खिताब जीता। इसी के साथ साथ निकिता पांडे ने मिस ब्यूटीफुल, यश तिवारी ने मिस्टर हैंडसम जबकि प्रियांशु, आशी त्यागी और वंशिका ने मिस्टर व मिस वेल ड्रेस्ड के टाईटल अपने नाम किए। इसी उपलक्ष्य पर कैंपस डायरेक्टर डॉ रश्मि भाटिया ने विजेता विद्यार्थियों को जीत की बधाई दी और सफलता हासिल करने के लिए मेहनत से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस दौरान कई मनोरंजक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। डीजे की धुन पर भी सभी छात्र खूब थिरके।

बाल विधायकों का रुड़की महापौर ने किया स्वागत

संवाददाता

मुजफ्फरनगर/रुड़की। रुड़की नगर निगम मेयर गौरव गोयल ने बाल विधायक बने अमन व अतुल का देहरादून में बाल संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित बाल विधानसभा कार्यक्रम से प्रतिभाग कर वापस लौटने पर राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझोली में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे गौरव गोयल ने दोनों बाल विधायकों का भव्य रूप से स्वागत किया। दोनों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए

मेयर गौरव गोयल ने कहा कि बच्चों को जीवन में अटल रहकर अपना लक्ष्य प्राप्त करें।उन्होंने विद्यालय के बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया तथा कहा कि जीवन में संस्कार लाने एवं भविष्य को उन्नत बनाने के लिए शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक है।बाल विधायक बनने पर उन्होंने दोनों को बधाई दी।विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल नेवी दोनों बाल विधायकों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कमलेश,ग्राम प्रधान राकेश कुमार, प्रधानाध्यापक मोहम्मद इकराम,इट्स ऑल पासबिल विद्यालय की कोऑर्डिनेटर अमरीन अंसारी,अरशद अली,अनिल त्यागी,राजकुमार,मोहम्मद मुंतजीर आदि मौजूद रहे।

विष्णु दत्त पुजारी को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि,कैलिफोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी अमेरिका ने किया सम्मानित

संवाददाता

सालासर। दिल्ली में शुक्रवार को कैलिफोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी वरअ सयुंक्त राज्य अमेरिका ने सिद्धपीठ सालासर बालाजी मंदिर के पुजारी विष्णु दत्त को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। पुजारी ने कहा कि मानद उपाधि पाकर गर्व और सम्मान का अनुभव हो रहा है। शुक्रवार को आयोजित गरिमामय समारोह के बाद विष्णु दत्त पुजारी ने कहा कि विवि के अध्यापकों और छात्रों से मिलकर हार्दिक प्रसन्नता हुई। उन्होंने प्रोफेसर डॉ. अजय डीन - रिसर्च केलिफोर्निया पब्लिक विश्वविद्यालय, डेलावेयर यू एस ए,डॉ. कृष्णथा पाथीराजा चेयरमैन पलमीराह विकास बोर्ड, एंड निदेशक / सलाहकार एचडीएफसी बैंक,गोरमेंट ऑफ श्रीलंका,सलाहकार बोर्ड सदस्य,डीके अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान, कादिर शाह, हेड ऑफ ट्रेड ऑफिस (परामर्शदाता),अफगानिस्तान के इस्लामी गणराज्य के दूतावास,प्रोफेसर डॉक्टर के एस राणा मेवाड़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और पर्यावरण मंत्रालय के सलाहकार, पैट्रिक ऑडियोबो, केन्या उच्च आयोग विभाग आभार व्यक्त किया। साथ ही के एल गंजू कोमरोस संघ के माननीय काउंसल जनरल,कवाजू कुहिनीको, मिनिस्टर और डिप्टी चीफ ऑफ मिशन,जापान के दूतावास,सरदार महेंद्र सिंह स्ट्रेक्स विश्वविद्यालय के चांसलर, गुड़गांव,गौरव गुप्ता चार्टर्ड प्रेसिडेंट लायंस क्लब, दिल्ली फाउंडर एंड प्रेसिडेंट ऑफ ऋळळऊक पवन कंसल जगदंबा कटलेरी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सीएमडी, एंका वर्मा व्यवसायीऔर लोकोपकारक,ओलिविया वर्ल्ड की चेयरपर्सन को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। विष्णु दत्त पुजारी को सभी परिवार के सदस्य, मित्रगण, सभी ने व्हाट्सएप फेसबुक ट्विटर के माध्यम से धन्यवाद और बधाई दी।

दिव्यांगजनों को सम्मान देकर प्रोत्साहित कर मुख्यधारा से जोड़ेंगे: नरेन्द्र कश्यप

संवाहददाता

गाजियाबाद। विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण एवं सम्मान हेतु पात्र आवेदनकताओं के चयन किये जाने हेतु चयनित समिति की बैठक में राज्यमंत्री (स्व0प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें समस्त जिलों से आये पात्र आवेदनकताओं के नामों के चयन पर विचार-विमर्श किया गया। नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं उनको शिक्षित कर सभ्यता की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए उ0प्र0 सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके प्रति गम्भीरता से कार्य कर रही है। उसी आधार में दिव्यांगजनों को प्रोत्साहन करने के

लिए समाज की उन्नति के लिए दिव्यांगजनों द्वारा किये गये कार्य पुरस्कृत व सम्मानित किया जायेगा। नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगता विशेष रूप से भारत जैसे विकासशील देश में एक गम्भीर स्वास्थ्य समस्या है। दिव्यांगता के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के रूप में घोषित किया गया है। यह राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आदि जैसे जीवन के हर पहलू में दिव्यांग व्यक्यिों के अधिकारों तथा उनके हितों की प्रोत्साहित करने की परिकल्पना करता है। भारत में कई कानून और योजनाओं के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अवसरों सुलभता और समानता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। भारत देश के लिए यह हर्ष का विषय है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिव्यांगजनों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। केन्द्र व प्रदेश सरकार के द्वारा दिव्यांगों को दिये जाने वाले लाभाविन्त योजनाएं सुलभ व सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं। आयोजित की गयी समिति की बैठक में हेमन्त राव, अपर मुख्य सचिव, अजीत कुमार, विशेष सचिव एवं राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उ0प्र0, सत्य प्रकाश पटेल, निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, कुलपति, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, रमेश पाण्डेय, कार्यालय प्रभारी, क्षेत्रीय पुनर्वास केन्द्र, लखनऊ, अमिताभ शुक्ला, प्रबन्धक, भागीरथ सेवा संस्थान आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवी अनिल कपूर वो जाना पहचाना नाम जिनकी वार्ड 25 ही नहीं बल्कि वार्ड 14 एवं 58 में भी खासी लोकप्रियता

संवाददाता

गाजियाबाद। इन दिनों नगर निगम चुनावों को लेकर हर कोई जनता के बीच जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और आगामी निगम चुनावों को लेकर जनता का अपने साथ होने का दम्भ भर रहा है लेकिन इन सबके विपरीत जमीन से जुड़े एवं जनता के प्रिय अनिल कपूर का नाम जनता के प्रति समर्पणभाव को लेकर खासा सराहना बटोर रहा है। समाजसेवी

अनिल कपूर केवल वार्ड 25 की जनता के बीच ही लोकप्रिय नहीं माने जाते हैं बल्कि उनकी लोकप्रियता वार्ड 14 एवं वार्ड 58 की जनता के बीच भी खासी मानी जाती हैं। इन वार्डों की भी जनता समाजसेवा के प्रति अनिल कपूर के समर्पण की कायल है और मन ही मन जनता यह भी विचार कर रही है अगर समाजसेवी अनिल कपूर हमारे वार्ड से चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें हराने वाला कोई नहीं हैं। वहीं इस सम्बंध में जब समाजसेवी अनिल कपूर से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि जनता के इस प्यार व आर्शीवाद को कभी नहीं भुला पाऊंगा अगर जनता ने साथ दिया तो मैं किसी भी वार्ड जनता का आर्शीवाद लेकर चुनाव लडूंगा और जीतकर जीवनभर एक पुत्र एवं भाई की तरह जनता की सेवा करुंगा।

हाजी सईद गौरी के नाम की चचार्ए तेज

संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कस्बा खीरी में इन दिनों नगर पंचायत चुनाव अपने पूरे शबाब पर देखा जा रहा है। हालांकि अभी चुनाव की घोषणा नहीं हुई है इसके बावजूद भी प्रत्याशियों एवं नागरिकों में हलचल काफी तेज होती हुई नजर आ रही है । अभी तक लगभग आधा दर्जन प्रत्याशियों के नाम मैदान में आ रहे हैं चुनावी घोषणा होने तक डेढ़ से दो दर्जन तक प्रत्याशी हो जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौजूदा समय के हालात पर अगर गौर किया जाए तो जहां एक तरफ सभी प्रत्याशी चुनाव जीतने में दमखम लगा रहे हैं तो वही ओवैसी की पार्टी सिंबल से संभावित प्रत्याशी हाजी सईद हुसैन गौरी के चुनाव लड़ने का तरीका खीरी कस्बे में चर्चा का विषय बना है बल्कि सफलता की ओर बढ़ते कदम माने जा रहे हैं। बीते दिनों कस्बा खीरी के प्रमुख स्थान पर हाजी सईद हुसैन गौरी के द्वारा चुनावी सभा का आयोजन किया गया कार्यक्रम में पार्टी के उच्च पदाधिकारी मौजूद रहे। अगर नागरिकों की बात की जाए तो लगभग हर मोहल्ले से खासी तादाद में नागरिकों ने हिस्सा लेकर हाजी सईद हुसैन गौरी की जीत का ग्राफ ऊपर कर दिया। कस्बा खीरी का नेतृत्व गौरी के हाथ में देने का जोश देखा गया। कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब से हाजी सईद हुसैन गौरी की सफलता की चचार्एं बढ़ती हुई देखी जा रही है। लोगो का मानना है हाजी सईद हुसैन गौरी का उद्देश्य कस्बे को शिक्षित बनाकर कस्बे को विकास कराने का बेहतर मुद्दा है। कस्बे के आम नागरिकों में भी हाजी शाहिद हुसैन दौरी को चेयरमैन बनाने की चचार्एं आम है। हाजी सईद हुसैन गौरी चेयरमैन बन सकते हैं या नहीं यह भविष्य के गर्भ में है।

डेंगू मलेरिया की रोकथाम हेतु पार्षद पिंटू सिंह के सौजन्य से वार्ड 35 में हुआ दवा का छिड़काव

लगातार जारी है सफाई एवं फॉगिंग अभियान, जनता जमकर कर रही पार्षद पिंटू सिंह की सराहना

संवाददाता

गाजियाबाद। वार्ड 35 अकबरपुर बहरामपुर के पार्षद पिंटू सिंह द्वारा जनता को डेंगू मलेरिया के प्रकोप से बचाने के उद्देश्य से विभिन्न जगह दवा का छिड़काव कराया तथा गंदगी को समाप्त करने के लिए सफाई अभियान चलाते हुए जगह जगह फॉगिंग कार्य कराया। पिंटू सिंह पार्षद ने कहा कि मेरे लिए जनता का स्वस्थ्य एवं निरोग जीवन परम उद्देश्य है जिसके लिए हमारे द्वारा लगातार अभियान चलाकर जनता को जागरुक भी किया जा रहा है और अपने आसपास सफाई रखने का संदेश दिया जा रहा है। बता दें कि पार्षद पिंटू सिंह लगातार अपने क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए कार्य करते रहते हैं फिर चाहे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो या फिर जनता के स्वास्थ्य संबंधित कोई भी समस्या हो पार्षद पिंटू हमेशा ही जनता के विश्वास पर खरा उतरने में सफल रहते हैं।

पीसीएमए द्वारा जिला बागपत की कमेटी भंग की गयी

संवाददाता

गाजियाबाद/बागपत। प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन ऑल इण्डिया द्वारा जिला बागपत की कमेटी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है जिसमें जिलाध्यक्ष डॉ. जीशान त्यागी सहित कमेटी व पदाधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। उक्त कार्रवाई पीसीएमए के प्रदेश सचिव व बागपत जिला प्रभारी उत्तर प्रदेश डॉ. जीके राजा की संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश डॉ. एसपी सिंह चंदेल द्वारा की गयी है। प्रदेश अध्यक्ष अनुसार अब जिला बागपत में कोई पदाधिकारी नहीं हैं। सभी सदस्यों की साधारण सदस्यता बनी रहेगी और जल्द ही जिला बागपत में नई कमेटी का गठन किया जाएगा।

20 बदमाश किए जिला बदर

संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निकाय चुनाव से पहले जिला प्रशासन ने 20 बदमाशों को जिला बदर किया है। एडीएम प्रशासन की कोर्ट ने यह आदेश जारी किए हैं। जिला बदर किए गए बदमाश अब छह महीने तक जिले से बाहर रहेंगे। इस अवधि में जिले की सीमा में मिलने पर पुलिस इन्हें गिरफ्तार कर सकेगी। इनके अलावा ऐसे लोगों को भी चिह्नित किया जाएगा, जो निकाय चुनाव में माहौल खराब कर सकते हैं। एडीएम प्रशासन ऋतु सुहास ने बताया कि जिला बदर किए गए बदमाशों में मसूरी थाने के अपराधी शाहरुख, शादाब, सलीम, नौशेर हैं। खोड़ा थाने के मोबीन, दीपक गुप्ता, रितिक उर्फ नकली गुर्जर समेत छह बदमाश हैं। भोजपुर थाने के अपराधी इमरान, सिबली, जानेआलम, लोनी के फुरकान, इसराइल, ट्रोनिका सिटी के दिलशाद उर्फ सोनू, मनोज उर्फ मन्नू, टीला मोड़ के अनूप, लोनी बार्डर से नौशाद उर्फ डेढ़ा और राजू कुरैशी हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी के खिलाफ थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

भाजपा प्रत्याशी भी खुली जीप में सवार हो गए, जिसके बाद लोगों का हाथ जोडकर अभिवादन किया: आकाश सक्सेना

संवाददाता

रामपुर। भाजपा प्रत्याशी जनसंपर्क के लिए शहर में निकले, लेकिन उनका यह जनसंपर्क रोड शो में तब्दील हो गया। जिसमें सभी धर्मों और समाज के लोग शामिल हुए। मुस्लिम समाज के लोगों ने भी भाजपा प्रत्याशी पर फूल बरसाकर स्वागत किया। शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना का जनसंपर्क नियत था। लेकिन, उनके जनसंपर्क की सूचना मिलते ही तमाम लोग शाहबाद गेट पर एकत्र हो गए। जब भाजपा प्रत्याशी पहुंचे, तो वहां लोगों का हुजूम था।

लोगों की भीड अधिक होने की वजह से उनका जनसंपर्क अभियान रोड शो में तब्दील हो गया। भाजपा प्रत्याशी भी खुली जीप में सवार हो गए, जिसके बाद लोगों का हाथ जोडकर अभिवादन किया। उनके साथ जीप में भाजपा नेता फसाहत अली खां शानू, डॉ तनवीर अहमद खां भी थे। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर भाजपा प्रत्याशी का स्वागत किया। इस मौके पर इरशाद महमूद, राजू शर्मा समेत हजारों लोग मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले कचहरी में जाकर उन्होंने अधिवक्ताओं से संपर्क किया। एक-एक अधिवक्ता के पास जाकर उनसे भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

व्यापारी वर्ग मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करता है: उदित मोहन गर्ग

संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष उदित मोहन गर्ग ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कैबिनेट में गाजियाबाद को कमिश्नरी देने का फैसला लिया गया है। उसका हम व्यापारी वर्ग मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हैं क्योंकि इस फैसले से व्यापारियों का बहुत सा ऐसा काम जो मेरठ जाकर पूरा हुआ करता था उसके लिए अब उन्हें अपना समय खर्च होने से बचेगा एवं व्यापारियों को लोकल में ही बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगे। जिनका व्यापारी सदुपयोग कर अपने व्यापार में ज्यादा समय एवं ध्यान दे सकेंगे।